▪ फाल्गुन कृष्णा - 10 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 208 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 22-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 उप्र एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर

6 बेटियों को पढाई के साथ चाहिए सुरक्षा और संरक्षा

7 नमो शंकरा महज गीत नहीं, यह एक यात्रा : श्रेया घोषाल

विकसित भारत के लिए हर क्षेत्र में सर्वोत्तम नेतृत्व जरूरी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि 21वीं सदी के 'विकसित भारत' के लिए देश के हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में दिन-रात काम करने उत्तम से उत्तम नेतृत्व की जरूरत है जो वैश्विक सोच और स्थानीय विकास के विचार पर चले।

मोदी ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सोल) लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। उनके साथ भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी मौजूद थे।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा, कुछ आयोजन ऐसे होते हैं, तो हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये कार्यक्रम सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव भी ऐसा ही आयोजन है। राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी है, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण। उन्होंने कहा कि यदि जन से जगत तक किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करना है, तो आरंभ जन से ही शुरू होता है। हर क्षेत्र में बेहतरीन लीडर्स का विकास

बहुत जरूरी है और समय की मांग है। इसलिए सोल की स्थापना 'विकसित भारत' की विकास यात्रा में एक बहुत महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है।

उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद भारत को गुलामी से बाहर निकालकर भारत को परिवर्तित करना चाहते थे और उनका विश्वास था कि अगर सौ लीडर उनके पास हों, तो वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। इसी मंत्र को लेकर हम सबको आगे बढ़ना है। आज हर भारतीय, 21वीं सदी के 'विकसित भारत' के लिए दिन-रात काम कर रहा है। ऐसे में 140 करोड़ के देश में भी हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में हमें उत्तम से उत्तम लीडरशिप की जरूरत है।

मेरे जैसे लाखों लोगों को आरएसएस ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 100 वर्ष पहले जिस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का बीज बोया गया था, वह आज एक वट वृक्ष के रूप में भारत की महान संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचा रहा है और यह उनका सौभाग्य है कि उनके जैसे लाखों लोगों को इस संगठन ने देश के लिए जीने की प्रेरणा दी है।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित विज्ञान भवन में आयोजित 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि मराठी भाषा अमृत से भी बढ़कर मीठी है और वह इस भाषा को बोलने का प्रयास और इसके नए शब्दों को सीखने की कोशिश निरंतर करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस के कारण ही उन्हें मराठी भाषा और मराठी परंपरा से जुड़ने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है जब छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूरे हुए हैं, जब अहिल्याबाई होल्कर की जयंती का 300वां वर्ष है और कुछ ही समय पहले बाबा साहेब अंबेडकर के प्रयासों से बने देश के संविधान ने भी अपने 75 वर्ष पूरे किए हैं। उन्होंने कहा, ''आज हम इस बात पर भी गर्व करेंगे कि महाराष्ट्र की धरती पर मराठी भाषी एक महापुरुष ने 100 वर्ष पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बीज बोया था। आज ये एक वट वृक्ष के रूप में अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।''

छात्र हितों के लिए राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठें स्टालिन : धर्मेंद्र प्रधान

■ **तमिलनाडु और केंद्र सरकार तमिलनाडु राज्य में नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर आमने-सामने हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने शिक्षा मंत्रालय पर महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए धन रोकने का आरोप लगाया है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन पर जारी विवाद को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधा और उन पर 'राजनीतिक एजेंडे को बनाए रखने के लिए प्रगतिशील सुधारों को खतरे में डालने' का आरोप लगाया।

प्रधान ने स्टालिन को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर छात्रों के हितों के बारे में सोचना चाहिए क्योंकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से उन्हें लाभ होगा।

शिक्षा मंत्री स्टालिन द्वारा बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र का जवाब दे रहे थे।

स्टालिन ने अपने पत्र में कहा कि केंद्र प्रायोजित दो पहलों समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) और पीएम श्री स्कूल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) से जोड़ना मौलिक

रूप से अस्वीकार्य है।

प्रधान ने स्टालिन को लिखे अपने पत्र में कहा, प्रधानमंत्री को भेजा गया पत्र मोदी सरकार द्वारा प्रचारित सहकारी संघवाद की भावना का पूर्ण खंडन है। इसलिए, राज्य के लिए एनईपी 2020 को अदूरदर्शी दृष्टि से देखना और अपने राजनीतिक एजेंडे को बनाए रखने के लिए प्रगतिशील शैक्षिक सुधारों को खतरे में डालना अनुचित है।

तमिलनाडु और केंद्र सरकार राज्य में नई शिक्षा नीति के कार्यान्वयन को लेकर आमने-सामने हैं। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने शिक्षा मंत्रालय पर महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए धन रोकने का आरोप लगाया है।

मंत्री ने लिखा, राजनीतिक कारणों से एनईपी 2020 का लगातार विरोध तमिलनाडु के छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों को इस नीति द्वारा प्रदान किए जाने वाले अपार अवसरों और संसाधनों से वंचित करता है। नीति को लचीला बनाया गया है, जिससे राज्यों को अपनी विशिष्ट शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप इसके कार्यान्वयन को अनुकूलित करने की अनुमति मिलती है।

प्रधान की 'राजनीति' वाली टिप्पणी पर स्टालिन ने कहा-
'मधुमक्खी के छत्ते पर पत्थर नहीं फेंके'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार और तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच भाषा विवाद शुक्रवार को तब और गहरा गया जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दक्षिणी राज्य को राजनीति से ऊपर उठने के लिए कहा।

प्रधान के बयान पर द्रमुक ने पलटवार करते हुए कहा कि वह अपनी दो-भाषा नीति से पीछे नहीं हटेगी और केंद्र सरकार को

आगाह किया कि वह ''मधुमक्खी के छत्ते पर पत्थर नहीं फेंके।'' द्रमुक ने संकेत दिया कि तमिलनाडु से केंद्रीय निधियों में से इसका हिस्सा देने के बदले हिंदी को शामिल करते हुए तीन-भाषा नीति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने के लिए कहा जा रहा है।

द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि जब तक वह और उनकी पार्टी मौजूद है, वह तमिल भाषा, राज्य और उसके लोगों के खिलाफ किसी भी तरह की गतिविधि की अनुमति नहीं देंगे।

कथित तौर पर हिंदी को थोपना तमिलनाडु में एक संवेदनशील विषय रहा है और द्रमुक ने 1965 में बड़े पैमाने पर हिंदी विरोधी आंदोलन का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया था। इस आंदोलन के दौरान कई तमिल समर्थक कार्यकर्ताओं ने भाषा थोपे जाने के खिलाफ अपनी जान दे दी थी और इनमें से ज्यादातर ने आत्मदाह कर लिया था।

मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने भी एनईपी को लेकर केंद्र पर निशाना साधा।

फर्स्ट टेक

मोदी सोमवार को पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को पीएम-किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसमें 9.8 करोड़ किसानों के बैंक खातों में लगभग 22,000 करोड़ रुपए सीधे स्थानांतरित किए जाएंगे। सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए इस योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को हर चार महीने में 2,000 रुपए देती है। इस तरह तीन बराबर किस्तों में कुल 6,000 रुपए का वार्षिक लाभ मिलता है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''प्रधानमंत्री 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर में एक समारोह में पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे।''

मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पांच चीते जंगल में छोड़े गए

श्योपुर (मप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में शुक्रवार को पांच चीतों को जंगल में छोड़ा गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावकों को उनके बाड़ों से जंगल में छोड़ दिया गया। ज्वाला को नामीबिया से केएनपी लाया गया था। इसमें कहा गया है कि इससे जंगल में चीतों की कुल संख्या 12 हो गई है, जबकि 14 अभी भी बाड़ों में हैं। केएनपी में अब 26 चीते हैं जिनमें से आठ दक्षिण अफ्रीका से, चार नामीबिया से तथा 14 भारतीय धरती पर जन्मे शावक शामिल हैं।

भारतीय छात्र ने 'मेमोरी लीग' विश्व चैम्पियनशिप 2025 जीती

न्यूयॉर्क/भाषा। भारतीय छात्र विश्वा राजकुमार ने 13.50 सेकंड में 80 क्रमरहित संख्याओं और 8.40 सेकंड में 30 छवियों को याद करके 'मेमोरी लीग' विश्व प्रतियोगिता 2025 जीत ली। 'मेमोरी लीग' विश्व प्रतियोगिता एक कठिन ऑनलाइन प्रतियोगिता होती है। 'मेमोरी लीग' वेबसाइट के अनुसार, 20 वर्षीय राजकुमार 5,000 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे। हाल ही में आयोजित प्रतियोगिता में राजकुमार ने 13.50 सेकंड में 80 संख्याएं और 8.40 सेकंड में 30 चित्र याद किए। राजकुमार की 'लिंक्डइन प्रोफाइल' के अनुसार, वह पुडुचेरी स्थित 'मानाकुला विनायगर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' के छात्र हैं। राजकुमार ने चीजों को याद करने की अपनी तकनीक और रणनीतियों के बारे में बात करते हुए 'न्यूयॉर्क टाइम्स' से कहा, ''शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपके मस्तिष्क को मदद मिलती है।''

सूर्यास्त 22-02-2025 6:27 बजे	सूर्योदय 23-02-2025 6:38 बजे
BSE 75,311.06 (-424.90)	NSE 22,795.90 (-117.25)
सोना 8,919 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 98,743 रु. प्रति किलो

राष्ट्र की लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास चिंतनीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास चिंतनीय है और ऐसे प्रयासों की जड़ में जाकर इनका समूल नाश करना चाहिए।

धनखड़ ने आज यहां वैश्विक मैडिटेशन लीडर्स के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास का अमेरिकी राष्ट्रपति का खुलासा चौंकाने वाला है।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित किया गया। चुनावी प्रणाली को नुकसान पहुँचाने के प्रयास किये गये। इसके लिए भारी धनराशि दी गयी। उन्होंने

■ **भारत के सामने चुनौतियाँ हैं। इनमें अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय विस्थापन और धर्म परिवर्तन प्रमुख हैं। इनका उद्देश्य किसी तरह से भारत पर कब्जा करना है।**

कहा कि ऐसे प्रयासों से निपटने के लिए चाणक्य की नीतियों को अपनाना चाहिए। उनकी जड़ों तक जाना चाहिए और इसे समूल नष्ट करना चाहिए।

धनखड़ ने कहा, हमें यह पता लगाना चाहिए कि वे कौन लोग हैं जिन्होंने इस प्रकार के कृत्य को स्वीकार किया। हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों पर इतना बड़ा कुठाराघात किया गया। उन ताकतों से मुकाबला करना हमारा राष्ट्रधर्म है। हमें उन्हें बेनकाब करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत की पाँच हज़ार साल पुरानी संस्कृति है। भारत के सामने चुनौतियाँ हैं। इनमें अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय विस्थापन और धर्म परिवर्तन प्रमुख हैं। इनका उद्देश्य किसी तरह से भारत पर कब्जा करना है। उन्होंने कहा, यह एक खतरनाक मकसद के साथ साजिश है।

पंजाब में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो आतंकवादी गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने लक्षित हत्या करने वाले एक 'मॉड्यूल' का भंडाफोड़ किया है और विदेश में रह रहे एक गैंगस्टर के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अमृतसर के अजनाला के रोडाला गांव के मूल निवासी मलकीत सिंह उर्फ मैक्स और फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद निवासी संदीप सिंह उर्फ दीप के रूप में हुई है। मलकीत वर्तमान में फतेहगढ़ साहिब के सेमपाली गांव में रह रहा है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, खुफिया सूचनाओं पर तेजी से कार्रवाई करते हुए पटियाला पुलिस ने लक्षित हत्या करने वाले एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और राजपुरा, पटियाला से विदेशी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के निर्देश पर मोहाली और राजपुरा में लक्षित हत्या करने का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा, उनकी गिरफ्तारी से मोहाली और राजपुरा में लक्षित हत्याओं से संबंधित दो पिछले मामले भी सुलझ गए हैं। पुलिस टीमों ने उनके कब्जे से पांच पिस्तौलें भी बरामद की हैं, जिनमें तीन .32 कैलिबर, एक .30 कैलिबर और एक .315 कैलिबर की देसी पिस्तौल, 15 कारतूस और मादक पदार्थ की 1,300 गोलियां शामिल हैं।

यूएसएड वित्तपोषण पर मिली जानकारी बेहद परेशान करने वाली : भारत

■ **अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूएसएड) द्वारा दिए गए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण पर सवाल उठाया और आश्चर्य जताया कि क्या यह किसी और को निर्वाचित कराने का प्रयास था।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को कहा कि देश में कुछ गतिविधियों के लिए 'यूएसएड' द्वारा वित्त पोषण किए जाने के बारे में खुलासे ''बेहद परेशान करने वाले'' हैं और इससे देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर चिंता पैदा हुई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संबंधित विभाग और अधिकारी कुछ अमेरिकी गतिविधियों और वित्तपोषण के संबंध में अमेरिकी प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी की जांच कर रहे हैं। जायसवाल ने कहा, ''हमने अमेरिकी प्रशासन द्वारा कुछ अमेरिकी गतिविधियों और वित्तपोषण के संबंध में दी गई जानकारी देखी है। ये स्पष्ट रूप से बहुत परेशान करने वाली हैं।''

मियामी में बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) द्वारा दिए गए 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर के वित्त पोषण पर सवाल उठाया और आश्चर्य जताया कि क्या यह किसी और को निर्वाचित कराने का प्रयास था।

जायसवाल ने कहा, ''इससे भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की चिंताएं पैदा हुई हैं। संबंधित विभाग और एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं।?

आतंकवाद का सामान्यीकरण ना करे बांग्लादेश : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने बांग्लादेश दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) को पुनः प्रासंगिक बनाने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और उसे दो टूक शब्दों में समझा दिया है कि उसे आतंकवाद का सामान्यीकरण नहीं करना चाहिए।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की मस्कट में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से मुलाकात में डॉ. जयशंकर ने हुसैन के दक्षेस की बैठक बुलाने के आग्रह को दो टूक शब्दों में खारिज कर दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में

पूछे जाने पर कहा, जहां तक सवाल है कि दक्षेस, चर्चा में आया या नहीं। हां, यह मामला मस्कट में विदेश मंत्री और बांग्लादेश के विदेश सलाहकार की मुलाकात में बांग्लादेश पक्ष द्वारा उठाया गया था। दक्षिण एशिया में हर कोई जानता है कि दक्षेस को बाधित करने के लिए कौन-सा देश और कौन सी गतिविधियां जिम्मेदार हैं।विदेश मंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि बांग्लादेश को आतंकवाद का सामान्यीकरण नहीं करना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग

जम्मू-कश्मीर पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की हालिया टिप्पणियों के मुद्दे पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम उन मामलों पर ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियों को खारिज करते हैं जो भारत के लिए अस्वीकार्य हैं। हमने तुर्की के राजदूत के साथ कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता पर इस तरह के अनुचित बयान अस्वीकार्य हैं। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। यह बेहतर होता कि भारत के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद का उपयोग करने की पाकिस्तान की नीति, जो जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है, की निंदा की जाती।

संघर्ष विराम समझौते का 'क्रूरतापूर्ण और दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन' हुआ, बदला लेंगे : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संघर्ष विराम समझौते का 'क्रूरतापूर्ण और दुर्भावनापूर्ण उल्लंघन' होने का दावा करते हुए शुक्रवार को इसका बदला लेने का संकल्प जताया। दरअसल समझौते के तहत हमास ने जिस शव को भेजा था, वह दो छोटे बच्चों की इजराइली मां का नहीं पाया गया, जैसा कि आतंकवादियों ने वादा किया था।

इस घटना ने संघर्षविराम समझौते के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस समझौते ने 15 महीने से जारी युद्ध को रोक दिया था और इसका पहला चरण मार्च की शुरुआत में समाप्त होना है। लेकिन अल्पावधि में, ऐसे संकेत थे कि समझौते के अगले चरण में शनिवार को छह जीवित बंधकों की रिहाई योजना अनुसार होगी।

हमास ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वह शव से जुड़ी जानकारी की पूरी तरह पड़ताल करेगा। इसमें कहा गया है कि शव संभवतः उस क्षेत्र पर इजराइली बमबारी के बीच मिल गए होंगे जहां इजराइली बंधकों को रखा गया था, क्योंकि वहां अन्य फलस्तीनी भी मौजूद थे।

हमास की सैन्य इकाई अल-कासम ब्रिगेड ने शुक्रवार को ऐलान किया कि वह शनिवार को छह इजराइली बंधकों की रिहाई करेगा। बदले में इजराइल सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों को रिहा कर सकता है।''

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास के चरमपंथियों द्वारा सौंपे गए इजराइली बंधकों के चार शवों में से एक शव गाजा की एक महिला का है, न कि शिरी बिबास का।

हमास के चरमपंथियों ने युद्ध विराम समझौते के तहत बृहस्पतिवार को चार शव सौंपे थे। इजराइल ने पुष्टि की है कि एक शव ओडेड लिफ़्शिट्ज का है और जब उन्हें इजराइल पर हमास के हमले के दौरान अगवा किया गया था वह 83 वर्ष के थे। हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला किया था और कई लोगों को बंधक बना लिया था। इजराइली रक्षा बलों ने कहा कि शिरी बिबास के दो बेटों, एरियल और केफिर बिबास के शवों की पहचान हो गई है, लेकिन चौथा शव इन बच्चों की मां का नहीं है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बयानबाज नेता

जिस भी दल का हूं मैं प्रहरी,
वो निशान देता हूं।
तीर सदा अपने ही रख कर,
तब कमान देता हूं।
वापिस भी ले सकता हूं फिर,
जो बयान देता हूं।
मैं नेता हूं जो वादों की,
बस जुबान देता हूं।।

कांग्रेस, 'आप' ने दिल्लीवासियों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया, हमने पहले ही दिन यह काम किया: रेखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने 15 साल तक दिल्ली पर शासन किया और उसके बाद आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में रही लेकिन दोनों ने दिल्ली के लोगों की समस्याओं का कभी समाधान नहीं किया।

रेखा ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार ने अपने कार्यकाल के पहले दिन ही आयुष्मान भारत योजना को पारित कर दिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने बृहस्पतिवार को छह अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली। भाजपा 26 साल से अधिक समय के बाद दिल्ली की सत्ता में लौटी है।

गुप्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने दिल्ली के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित रखा और कोई वास्तविक कार्रवाई किए बिना केवल नारे लगाए।

गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस ने 15 साल तक दिल्ली पर शासन किया और उसके बाद 'आप' ने... फिर भी उन्होंने दिल्ली के लोगों के मुद्दों पर कभी ध्यान नहीं दिया और अब हमारे सत्ता में आने के एक दिन बाद ही उन्होंने हमारी सरकार पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है।'' उन्होंने अपनी पार्टी के त्वरित निर्णय लेने पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''हम वही हैं जिन्होंने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना पारित की। हमने शपथ ली और उसी दिन उस योजना को मंजूरी दी जिसे 'आप' ने वर्षों से रोक रखा था।'' उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों दलों को अपने-अपने पार्टी मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

रेखा गुप्ता ने कहा, ''उनके कई सदस्य पार्टी छोड़ने के लिए तैयार हैं और वे चिंतित हैं क्योंकि हम अपने सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' गुप्ता ने यह भी दावा किया कि विपक्ष उनकी सरकार की पारदर्शिता से भयभीत है। उन्होंने कहा, ''वे डरे हुए हैं क्योंकि प्रथम सत्र में हम ऐसी रिपोर्ट पेश करेंगे जो पहले कभी पेश नहीं की गई। उनके कार्यों की सच्चाई लोगों के सामने आ जाएगी।''

मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी द्वारा किया गया हर वादा पूरा किया जाएगा और उन्होंने लोगों के कल्याण के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''हमने पहले दिन यमुना घाट का दौरा करके अपना काम शुरू किया और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे शत प्रतिशत वादे पूरे हों।''

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यहां शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की।

उपराष्ट्रपति के सचिवालय ने धनखड़ के आधिकारिक आवास पर हुई इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। गुप्ता ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस महीने के शुरू में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत हासिल कर आम आदमी पार्टी (आप) से सत्ता छीन ली थी।

कैबिनेट की पहली बैठक में 2,500 रुपए की वित्तीय सहायता को मंजूरी क्यों नहीं दी गई: आप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी ने शुक्रवार को सवाल उठाया कि दिल्ली सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में शहर की महिलाओं को 2,500 रुपए मानदेय देने की योजना पर मुहर क्यों नहीं लगाई। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने नवगठित भाजपा सरकार पर ''महिला समृद्धि योजना के तहत महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वादे को पूरा नहीं कर पाने'' का आरोप लगाया।

आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली चुनाव से पहले मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया था कि पहली ही कैबिनेट बैठक में इस योजना को मंजूरी दे दी जाएगी और 8 मार्च तक दिल्ली की हर महिला के बैंक खाते में 2,500 रुपए आ जाएंगे।

कालकाजी विधानसभा से विधायक निर्वाचित हुईं आतिशी ने आरोप लगाया, ''भाजपा के मंत्रियों के शपथ लेने और बृहस्पतिवार शाम 7 बजे कैबिनेट की बैठक के बाद ऐसी कोई योजना पारित नहीं की गई। अगर मोदी की गारंटी असली होती तो इस योजना को कल ही मंजूरी मिल जानी चाहिए थी। लेकिन नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जो पहला फैसला लिया, वह उस वादे को धोखा देने का था।'' मोदी और गुप्ता की तस्वीर वाले पोस्टर दिखाते हुए उन्होंने पूछा, ''यह राशि उनके खातों में कब जमा होगी? क्या यह सिर्फ एक और चुनावी नौटंकी थी?''

मराठी साहित्य सम्मेलन में पवार के प्रति मोदी के सम्मान दिखाने पर दर्शकों ने बजाई तालियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-एसपी प्रमुख शरद पवार को सीट पर बैठने में मदद करने और उन्हें एक गिलास पानी देकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने पर शुक्रवार को 98वें अखिल भारतीय मराठी सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित दर्शकों ने तालियां बजाईं।

मोदी को दीप प्रज्वलित करके समारोह की शुरुआत करनी थी, लेकिन उन्होंने समारोह की स्वागत समिति के अध्यक्ष पवार से भी दीप प्रज्वलन में शामिल होने का आग्रह किया। बाद में, जब पवार भाषण समाप्त करके मोदी के बगल वाली सीट पर बैठने के लिए पहुंचे, तो प्रधानमंत्री ने 84 वर्षीय नेता को बैठने में मदद की और स्वयं बोतल से गिलास में भरकर उन्हें पानी पीने को दिया। प्रधानमंत्री की इस व्यवहार पर दर्शकों ने तालियां बजाईं। मोदी ने भाषण शुरू करते हुए कहा कि पवार के निमंत्रण पर ही उन्होंने समारोह का उद्घाटन करने के लिए सहमति दी। उन्होंने कहा, ''आज शरद पवार जी के निमंत्रण पर मुझे इस गौरवशाली परंपरा में शामिल होने का अवसर मिला है।'' पूरे समारोह के दौरान मोदी और पवार एक-दूसरे से बातचीत करते नजर आए।

आप का 10 साल का भ्रष्टाचार खत्म, भाजपा सभी वादे पूरे करेगी: दिल्ली के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि भाजपा सरकार अपने सभी चुनावी वादे पूरे करेगी लेकिन सब कुछ पटरी पर लाने में कुछ समय लगेगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नवगठित दिल्ली मंत्रिमंडल में शामिल किए गए सूद ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के दस साल का भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि आप ने जानबूझकर दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू नहीं किया और शहर के लोगों को इसके लाभ से वंचित रखा। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, यह दस साल के भ्रष्टाचार का अंत है। हालांकि, दिल्ली में सब कुछ पटरी पर लाने के लिए हमें कुछ समय की आवश्यकता होगी। सूद ने बृहस्पतिवार को मंत्री पद की शपथ ली। उन्हें छह विभाग- शिक्षा, उच्च शिक्षा, बिजली, शहरी विकास, गृह और प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा- दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की प्रमुख पहल आयुष्मान भारत योजना को बृहस्पतिवार को पहली कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा, अब दिल्ली के लोगों को भी इसका लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर करेगी और इसका पूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी।

केंद्र आंध्र प्रदेश के लाल मिर्च किसानों की मदद करेगा : चौहान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार, आंध्र प्रदेश के लाल मिर्च किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी और इस संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय राज्य के किसानों को बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) के तहत मदद प्रदान कर सकता है। बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र से कीमतों में गिरावट के मद्देनजर एमआईएस के तहत लाल मिर्च किसानों की मदद करने का आग्रह किया। नायडू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए चौहान के साथ चर्चा की। चौहान ने कहा कि केंद्र लाल मिर्च के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भी प्रयास कर रहा है।

एमआईएस का मतलब टमाटर, प्याज और आलू आदि जैसी खराब होने वाली कृषि या बागवानी वस्तुओं के लिए है जो एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) के तहत नहीं आते हैं।

यह योजना राज्य व केंद्र शासित प्रदेश सरकार के अनुरोध पर तब लागू की जाती है, जब राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में पिछले सामान्य सत्र की दरों की तुलना में बाजार में कीमतों में कम से कम 10 प्रतिशत की कमी होती है।

एमआईएस के अंतर्गत, हाजिर खरीद के स्थान पर, राज्यों को बाजार हस्तक्षेप मूल्य (एमआईपी) और बिक्री मूल्य के बीच अंतर भुगतान करने का विकल्प हो सकता है, जो फसलों के उत्पादन के 25 प्रतिशत के कवरेज और एमआईपी के 25 प्रतिशत तक अधिकतम मूल्य अंतर के अधीन होगा।

बीओआई ने रिजर्व बैंक को दी गुप्ता पावर इन्फ्रा की कर्ज धोखाधड़ी की सूचना

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने शुक्रवार को ओडिशा स्थित गुप्ता पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा 226.84 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की सूचना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को दी। बीओआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक ने सूचित किया है कि गुप्ता पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की गैर निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) को धोखाधड़ी घोषित किया गया है।

बैंक ने कहा कि 226.84 करोड़ रुपए की बकाया राशि के मुकाबले, बैंक ने गुप्ता पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के मामले में 212.62 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 35 प्रतिशत बढ़कर 2,517 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,870 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान बैंकों की कुल आय बढ़कर 19,957 करोड़ रुपए हो गई, जो एक वर्ष पूर्व समान अवधि में 16,411 करोड़ रुपए थी। बैंक की ब्याज आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 18,210 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही में 15,218 करोड़ रुपए थी।

न्यायालय ने यूट्यूबर आशीष चंचलानी की याचिका पर महाराष्ट्र, असम से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को यूट्यूबर आशीष चंचलानी की उस याचिका पर महाराष्ट्र और असम सरकारों से जवाब मांगा जिसमें हाल में ऑनलाइन कार्यक्रम ''इंडियाज गॉट लैटेंट'' की हाल में प्रसारित कड़ी में कथित रूप से अश्लीलता को बढ़ावा देने के मामले में गुवाहाटी में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने या मुंबई स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने चंचलानी की याचिका को इन्फ्लुएन्सर, पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया की लंबित याचिका के साथ नत्थी किया। असम में दर्ज प्राथमिकी में चंचलानी का नाम शामिल है। हास्य कलाकार समय रैना द्वारा आयोजित यूट्यूब कार्यक्रम में विवादास्पद टिप्पणी को लेकर इस प्राथमिकी में कथित तौर पर इलाहाबादिया को मुख्य आरोपी बताया गया है। सुनवाई के दौरान पीठ ने चंचलानी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अजय तिवारी से कहा कि उन्हें इस मामले में पहले ही जमानत दी जा चुकी है।

तिवारी और अधिवक्ता शुभम कुलश्रेष्ठ ने पीठ से सहमति जताई लेकिन दलील दी कि वह एक ही कार्यक्रम को लेकर कई प्राथमिकी दर्ज करने के खिलाफ हैं। पीठ ने कहा कि वह पहले से ही इस मुद्दे पर सुनवाई कर रही है और चंचलानी की याचिका को संबंधित याचिकाओं के साथ नत्थी किया जाता है।

उच्चतम न्यायालय ने 18 फरवरी को इलाहाबादिया को उनकी टिप्पणियों के लिए गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था। न्यायालय ने उनकी टिप्पणियों को 'अश्लील' करार देते हुए कहा था कि उनकी 'सोच गंदी' है, जो समाज को शर्मसार करती है।

इलाहाबादिया विवाद: महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने बयान दर्ज करने के लिये राखी सावंत को समन भेजा

मुंबई/भाषा। यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट' से जुड़े मामले की जांच कर रही महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने अभिनेत्री राखी सावंत को बयान दर्ज करने के लिए तलब किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नोडल एजेंसी ने कॉमेडियन समय रैना द्वारा होस्ट किए गए शो में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए 'कंटेंट क्रिएटर' रणवीर इलाहाबादिया और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि अभिनेत्री राखी सावंत को उनका बयान दर्ज कराने के लिए 27 फरवरी को महाराष्ट्र साइबर अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने को कहा गया है। वह 'इंडियाज गॉट लैटेंट' के एपिसोड में अतिथि थीं, जहां इलाहाबादिया ने कथित तौर पर माता-पिता और सेक्स के बारे में अभद्र टिप्पणी की थी, जिसके कारण देश भर में हंगामा मच गया था और कई प्राथमिकियां दर्ज की गई थीं। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने पहले ही रैना के यूट्यूब शो में भाग लेने वाले कॉमेडियन, कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर सहित 50 से अधिक लोगों को तलब किया है।

पाकिस्तान के साथ 'फ्लैग मीटिंग' में भारत ने सीमा पार से गोलीबारी का मुद्दा उठाया

जम्मू/भाषा। भारत और पाकिस्तान ने पिछले दिनों सीमा पार से गोलीबारी की कई घटनाओं समेत एक आईईडी हमले के बाद तनाव कम करने के प्रयास के तहत शुक्रवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर 'फ्लैग मीटिंग' की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि ब्रिगेड कमांडर स्तर की 'फ्लैग मीटिंग' चाकन-दा-बाग क्रॉसिंग प्वाइंट क्षेत्र में हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

हालांकि पूर्वाह्न करीब 11 बजे शुरू हुई और 75 मिनट तक चली बैठक पर भारतीय सेना की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना के शिष्टमंडल ने हाल में सीमापार से बिना उकसावे के गोलीबारी की घटनाओं, आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ के प्रयासों तथा मादक पदार्थों एवं हथियारों की तस्करी को लेकर कड़ा ऐतराज जताया। सूत्रों के अनुसार बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और दोनों पक्ष सीमा पर शांति के व्यापक हित में संघर्ष विराम समझौते का सम्मान करने पर सहमत हुए।

उद्योग को इस्पात आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार की कार्रवाई का इंतजार: टाटा स्टील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा स्टील के सीईओ टी वी नरेंद्रन ने शुक्रवार को कहा कि उद्योग को इस्पात आयात पर लगाम लगाने के लिए सरकार की कार्रवाई का इंतजार है, क्योंकि इससे घरेलू कंपनियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि बढ़ते आयात की मौजूदा स्थिति के कारण इस्पात क्षेत्र में भविष्य में निवेश प्रभावित हो सकता है।

इस्पात उद्योग पिछले कुछ वर्षों में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशकों में से एक रहा है। उद्योग की सभी कंपनियों ने बड़ी विस्तार योजनाओं की घोषणा की है। राष्ट्रीय राजधानी में अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) के 69वें स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा कि विस्तार का एक दौर पूरा हो रहा है। एआईएमए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्रन ने कहा कि बहुत सारा ऐसा इस्पात, जिसे कहीं और बाजार नहीं मिल पाता, भारत में आ जाता है। इसके चलते यहां कीमतें उस स्तर तक गिर जाती हैं, जहां इस्पात कंपनी को स्वस्थ नकदी प्रवाह के लिए संघर्ष करना पड़ता है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत का लक्ष्य 2030 तक अपनी कुल स्थापित इस्पात विनिर्माण क्षमता को 30 करोड़ टन तक ले जाना है और सभी बड़ी इस्पात कंपनियों ने पहले ही अपनी विस्तार योजनाओं की घोषणा कर दी है।

इस्पात और स्टेनलेस स्टील उद्योग की कंपनियां लगातार सरकार के साथ आयात के मुद्दे को उठा रही हैं। उनका दावा है कि चीन सहित चुनिंदा देशों से आने वाली खेप में उछाल ने उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित किया है।भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) ने इस संबंध में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) के पास पहले ही आवेदन दायर कर दिया है, जो इसकी समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सरकार ने हमारी बात सुनी है और उम्मीद है कि वे कुछ कार्रवाई करेंगे। हम इसका इंतजार कर रहे हैं।''

निर्यात बढ़ाकर भारत-जापान व्यापार को संतुलित करने के प्रयास जारी: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और जापान के बीच निर्यात बढ़ाकर द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित करने के प्रयास जारी हैं। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान जापान को भारत का निर्यात 21.12 प्रतिशत बढ़कर 5.1 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 9.1 प्रतिशत बढ़कर 15.92 अरब डॉलर रहा। इससे जापान के पक्ष में 10.82 अरब डॉलर का व्यापार घाटा रह गया।

वित्त वर्ष 2023-24 में जापान को भारत का निर्यात 5.15 अरब डॉलर तथा आयात 17.7 अरब डॉलर था। व्यापार घाटा 12.55 अरब डॉलर था।

वाणिज्य मंत्रालय ने मंत्री के हवाले से एक बयान में कहा, भारत और जापान के बीच व्यापार को संतुलित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें पारस्परिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए भारतीय निर्यात को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। गोयल ने भारत-जापान अर्थव्यवस्था और निवेश मंच में अपने मुख्य भाषण में यह बात कही।

अपोलो अस्पताल ने चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उदार वीज़ा नीति की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइज की संयुक्त प्रबंध निदेशक संगीता रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत के अस्पतालों में आने वाले विदेशी रोगियों के लिए एक उदार वीजा नीति लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी का इरादा देश में रोगियों की आमद को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की 'हील इन इंडिया' (भारत में स्वास्थ्य लाभ लें) पहल के साथ मिलकर काम करने का है।

रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इसलिए हमारा विचार, भारत सरकार के साथ मिलकर काम करना और वास्तव में 'हील इन इंडिया' को विकसित करना है। हमें उन्नत ई-वीजा की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि थाईलैंड, तुर्किये, फिलीपींस और सिंगापुर जैसे कुछ पड़ोसी देशों में बड़ी संख्या में रोगी आते हैं। इन देशों में 'आगमन पर वीजा' की सुविधा है और उनके पास कई देशों के लिए वीजा सुविधा है।

अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज की कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रीता रेड्डी ने कहा कि सरकार अब चिकित्सा पर्यटन को बहुत गंभीरता से देख रही है। उन्होंने कहा, ''हमें वीजा प्रक्रिया को बेहतर बनाने की जरूरत है। हमें आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने की जरूरत है। अब हमारे पास कई शहरों में शानदार हवाई अड्डे हैं, इसलिए यह काम लगभग पूरा हो चुका है।''

भविष्य की विकास योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाता कई क्षेत्रों में कई संस्थाओं के साथ सहयोग कर रहा है। रेड्डी ने कहा कि कंपनी नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और अन्य संस्थानों के साथ काम कर रही है।

रेड्डी ने बताया कि अपोलो हॉस्पिटल्स ने अगले पांच वर्षों में अपने अस्पताल नेटवर्क में लगभग 3,000 बिस्तर जोड़ने की घोषणा पहले ही कर दी है।

इसने विस्तार के लिए लगभग 6,000 करोड़ रुपए निवेश करने की योजना की घोषणा की है।

पतियों के खिलाफ क्रूरता का आरोप लगाने के लिए दहेज की मांग की जरूरत नहीं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि दहेज की मांग भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत अपराध को स्थापित करने के लिए क्रूरता पूर्व शर्त नहीं है। यह धारा 1983 में विवाहित महिलाओं को पति और ससुराल वालों की 'क्रूरता' से बचाने के लिए लागू की गई थी।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने 12 दिसंबर, 2024 को कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए का सार क्रूरता के कृत्य में निहित है और दोषी पतियों और ससुराल वालों के खिलाफ इस प्रावधान को लागू करने के लिए दहेज की मांग आवश्यक नहीं है। पीठ ने कहा, इसलिए, दहेज की मांग से स्वतंत्र क्रूरता का कोई भी रूप, धारा 498 ए आईपीसी के प्रावधानों को आकर्षित करने और कानून के तहत अपराध को दंडनीय बनाने के लिए पर्याप्त है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि दहेज की अवैध मांग भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत क्रूरता की श्रेणी में आने के लिए पूर्वापेक्षित तत्व नहीं है। पीठ ने कहा, यह पर्याप्त है कि आचरण प्रावधान के खंड (ए) या (बी) में उल्लिखित दो व्यापक श्रेणियों में से किसी एक के अंतर्गत आता है, अर्थात् जानबूझकर किया गया आचरण जिससे गंभीर चोट या मानसिक नुकसान पहुंचने की संभावना हो (खंड ए), या महिला या उसके परिवार को किसी गैरकानूनी मांग को पूरा करने के लिए मजबूर करने के इरादे से किया गया उत्पीड़न (खंड बी)।

धारा 498ए (पति या पति के रिश्तेदार द्वारा महिला के साथ क्रूरता) को 1983 में भारतीय दंड संहिता में शामिल किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य विवाहित महिलाओं को उनके पति या ससुराल वालों की 'क्रूरता' से बचाना था।

वर्तमान मामले में, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति और अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि आरोपियों के खिलाफ आरोप भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए के तहत क्रूरता का अपराध नहीं बनते, क्योंकि दहेज की मांग नहीं की गई थी।

कर्नाटक सरकार ने स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 'बियॉन्ड बेंगलूरु क्लस्टर सीड फंड' को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 75 करोड़ रुपये के बियॉन्ड बेंगलूरु क्लस्टर सीड फंड' को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य बेंगलूरु के अलावा अन्य शहरों में स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के. पाटिल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि यह कोष मैसूर, हुबली और मंगलुरु जैसे उभरते हुए शहरों के लिए है, जिससे वहां स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा।उन्होंने कहा, बेंगलूरु में ये सभी स्टार्टअप गतिविधियां काफी होती हैं। बेंगलूरु के बाद मैसूर, हुबली और मंगलूरु पर ध्यान केंद्रित करने के लिए हम 75 करोड़ रुपये की प्रारंभिक धनराशि मुहैया करा रहे हैं, जिससे बेंगलूरु के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी विकास करने में मदद मिलेगी।''

सरकार ने निविदा के माध्यम से चयनित एक निजी कंपनी के सहयोग से 16 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कलबुर्गी में कर्नाटक जर्मन तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान (केजीटीटीआई) द्वारा सीएनसी मशीनिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की भी मंजूरी दी है।

मैसूरु में थाने पर हमला करने के लिए भीड़ को उकसाने के आरोप में मौलवी गिरफ्तार

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु में एक मौलवी को कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। मौलवी मुफ्ती मुश्ताक पर आरोप हैं कि उसके भड़काऊ भाषण के बाद भीड़ ने एक पुलिस थाने पर हमला कर दिया था। मुफ्ती मुश्ताक को गिरफ्तार कर बृहस्पतिवार को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मौलवी की भड़काऊ टिप्पणियों ने कथित तौर पर भीड़ को 10 फरवरी की रात को उदयगिरि पुलिस थाने के बाहर इकट्ठा होने के लिए उकसाया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए और उनके सरकारी वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि मौलवी के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण देने और धार्मिक भावनाओं को भड़काने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

संबोधन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को बेंगलूरु के विधान सौधा में वाणिज्य एवं उद्योग प्रतिनिधिमंडल के साथ बजट पूर्व बैठक को संबोधित करते हुए।

मंत्री ने बांझपन परीक्षण में विफल रहे नौ इंजेक्शन के खिलाफ केंद्र को दी चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है कि अन्य राज्यों में निर्मित, इंजेक्शन से दी जाने वाली नौ दवाएं कर्नाटक सरकार की प्रयोगशालाओं में किए गए बांझपन परीक्षण में विफल रही हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा को भेजे पत्र में राव ने कहा कि उन्होंने अपने विभाग के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है कि ये दवाएं अब कर्नाटक में नहीं बेची जाएंगी। दिनेश गुंडू राव ने बृहस्पतिवार को भेजे अपने पत्र में कहा कि बांझपन परीक्षण में विफल होने वाली दवाएं हैं: पश्चिम बंगाल के बारुईपुर स्थित फार्मा इम्पेक्स प्रयोगशालाओं द्वारा निर्मित मेट्रोनिडाजोल इंजेक्शन; इंदौर (मध्य प्रदेश) स्थित अल्फा प्रयोगशालाओं द्वारा निर्मित डिक्लोफेनाक सोडियम इंजेक्शन; इंदौर (मध्य प्रदेश) स्थित रुसोमा प्रयोगशालाओं द्वारा निर्मित डेक्सट्रोज इंजेक्शन; खरगोन (मध्य प्रदेश) स्थित आईएचएल लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित मेट्रोनिडाजोल; हरियाणा के बहादुरगढ़ स्थित पाक्सन्स फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित फ्रूसेमाइड; इंदौर (मध्य प्रदेश) स्थित मॉडर्न प्रयोगशालाओं द्वारा निर्मित पाइपरसिलिन और टैजोबैक्टम; हरियाणा के हिसार स्थित रीगेन प्रयोगशालाओं द्वारा निर्मित कैल्शियम ग्लूकोनेट और ओंडानसेट्रॉन; तथा हिमाचल प्रदेश के सोलन स्थित मार्टिन और ब्राउन बायोसाइंसेज द्वारा निर्मित एस्ट्रोपाइन सल्फेट। राव ने नड्डा को लिखा, ''मैं आपका ध्यान अन्य राज्यों में निर्मित खराब इंजेक्शन की कर्नाटक में बिक्री की बार-बार हो रही घटनाओं की ओर आकर्षित करने के लिए यह लिख रहा हूं।'' उन्होंने केन्द्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि वे सभी राज्यों और केन्द्रीय प्रयोगशालाओं के लिए एक ऐसी प्रणाली बनाएं जिससे वे उन दवाओं के बारे में एक-दूसरे के साथ चेतावनी साझा कर सकें जो गुणवत्ता परीक्षण में विफल रही हैं।

रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मियों को जल्द जाने देने का कोई प्रस्ताव नहीं : गृह मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शुक्रवार को कहा कि रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों को सरकारी कार्यालयों से जल्दी जाने देने के संबंध में सरकार के समक्ष न तो कोई प्रस्ताव है और न ही इस पर कोई चर्चा हुई है। वह प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष वाई सैयद अहमद और ए आर एम हुसैन द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को लिखे गए पत्र के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। अहमद और हुसैन ने मुख्यमंत्री से सभी मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को रमजान के दौरान काम से जल्दी छुट्टी देने का अनुरोध किया है।

परमेश्वर ने कहा, उन्होंने पत्र लिखा होगा, लेकिन सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। कैबिनेट या अन्य किसी स्तर पर ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है।'' तेलंगाना में इस तरह की अनुमति को भाजपा द्वारा तुष्टीकरण की राजनीति बताए जाने से संबंधित सवाल पर परमेश्वर ने कहा, हमें तेलंगाना से मतलब नहीं है।

पत्र में मुख्यमंत्री से यह निर्णय लेने का आग्रह किया गया है कि मुस्लिम कर्मचारियों को रोजा तोड़ने के लिए शाम 4 बजे तक कार्यालय से जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसमें पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की सरकारों का हवाला दिया गया है, जिन्होंने रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों को ड्यूटी खत्म होने से एक घंटे पहले जाने की अनुमति देने का निर्णय लिया है। विधानसभा में नेता विपक्ष आर अशोक ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर निशाना साधते हुए इसके नेताओं द्वारा सरकार को दिए गए प्रस्ताव को तुष्टीकरण की राजनीति बताया।

बागी भाजपा विधायक ने चामुंडेश्वरी मंदिर में दर्शन किए, मीडिया से रखी दूरी

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी के बागी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने शुक्रवार को यहां चामुंडेश्वरी मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान मीडिया से दूरी बनाए रखी। पार्टी की केंद्रीय अनुशासन समिति द्वारा उन्हें नोटिस दिया गया है। पहाड़ी पर स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने चिंचोली में सिद्धसिरी पावर और इथेनॉल संयंत्र को शुरू करने की अनुमति दे दी है। इस प्रयास में हमें आशीर्वाद देने के लिए चामुंडेश्वरी अम्मानवारु से विशेष प्रार्थना की।

विजयपुरा के विधायक को भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा और उनके बेटे तथा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के खिलाफ मुखर होने के कारण भाजपा की केंद्रीय अनुशासन समिति द्वारा दो महीने के भीतर दूसरी बार नोटिस दिया गया था। यतनाल ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से येडीयुरप्पा की वंशवाद की राजनीति को समाप्त करने का आग्रह किया था, ताकि भाजपा, कांग्रेस पार्टी की वंशवाद की राजनीति के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ सके।

उन्होंने येडीयुरप्पा और उनके परिवार पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अपने निहित स्वार्थों की रक्षा के लिए कांग्रेस के साथ 'साठगांठ की राजनीति' में लिप्त होने का आरोप भी लगाया था। आम तौर पर मुखर रहने वाले यतनाल चुपचाप मंदिर में गए और मंदिर के बाहर खड़े पत्रकारों को कोई बयान देने से बचते रहे। जब वे मंदिर से बाहर निकले तो कुछ लोगों ने 'जय विजयेंद्र' के नारे लगाए। अपनी संपत्तियों पर अधिकार का दावा करने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों को वक्फ बोर्ड द्वारा जारी नोटिस के खिलाफ पिछले वर्ष यतनाल ने बीदर से चामराजनगर तक मार्च निकाला था। गोकक से भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली, पूर्व विधायक और मंत्री यतनाल के वक्फ विरोधी मार्च में शामिल हुए। इस मार्च को भाजपा के राज्य नेतृत्व के साथ-साथ सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा गया।

बेंगलूरु में 33 साल की महिला से सामूहिक बलात्कार, तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कोरमंगला में एक होटल में 33 वर्षीय महिला से कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात को यह घटना हुई थी और इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता होटल के खानपान विभाग में काम करती है और कार्यक्रमों में भोजन परोसती है।

पुलिस ने बताया कि महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह ज्योति निवास कॉलेज जंक्शन पर इंतजार कर रही थी तभी 20 साल की उम्र के चार लोग उसके पास आए और उससे बातचीत करने लगे। इसके बाद उनके बीच दोस्ती हो गई और आरोपियों ने महिला को रात के भोजन के लिए एक होटल में बुलाया। पुलिस के अनुसार, एक निजी होटल में रात के भोजन के बाद आरोपियों ने कथित तौर पर शादीशुदा महिला (पीड़िता) से यौन संबंध बनाने की कोशिश की और होटल की छत पर उससे सामूहिक बलात्कार किया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने उसे घटना के बारे में किसी को न बताने की धमकी दी और शुक्रवार सुबह करीब छह बजे उसे छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि घर पहुंचने पर पीड़िता ने अपने पति को आपबीती सुनाई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपी दूसरे राज्य के हैं और होटल में काम करते हैं।

संयुक्त आयुक्त (पूर्व) रमेश बनोथ ने कहा, शिकायत के आधार पर हमने कोरमंगला पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 70 (सामूहिक बलात्कार) के तहत मामला दर्ज किया है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौथे आरोपी की भी पहचान हो गई है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बेलगावी में मराठी में बात न करने पर बस संवाहक पर हमला

बेलगावी। महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी जिला मुख्यालय शहर के बाहरी इलाके में शुक्रवार को राज्य परिवहन निगम की बस के एक संवाहक (कंडक्टर) पर इसलिए हमला कर दिया गया, क्योंकि उसने एक यात्री को मराठी में जवाब नहीं दिया था। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। आंखों में आंसू लिए 51 वर्षीय बस संवाहक महादेवप्पा मल्लप्पा हुक्केरी ने संवाददाताओं को बताया कि सुलेभवी गांव में अपने पुरुष साथी के साथ बस में चढ़ी एक महिला मराठी में बात कर रही थी।

हुक्केरी ने बताया कि उन्होंने उससे कहा कि वह मराठी नहीं जानते और कन्नड़ में बात करने को कहा। संवाहक ने कहा, जब मैंने कहा कि मैं मराठी नहीं जानता तो उस महिला ने मुझे गाली देते हुए कहा कि मुझे मराठी सीखनी चाहिए। अचानक बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और मुझ पर हमला कर दिया।

आनंद

बेंगलूरु में एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु महिला और मुंबई इंडियंस महिला के बीच महिला प्रीमियर लीग 2025 (डब्ल्यूपीएल) मैच का आनंद लेते दर्शक।

प्रयागराज जा रहे कर्नाटक के श्रद्धालुओं की जीप की ट्रक से टक्कर में छह की मौत, पांच घायल

बीदर/वाराणसी/दक्षिण भारत। वाराणसी के मिर्जामुराद के पास जीटी रोड पर शुक्रवार की सुबह कर्नाटक से प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं की जीप रास्ते में एक खड़े ट्रक से टकरा गई, जिससे छह लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मिर्जामुराद थाना प्रभारी अजय राज वर्मा ने बताया कि मिर्जामुराद के पास जीटी रोड पर शुक्रवार की सुबह तेज रफ्तार से आ रही कर्नाटक नंबर प्लेट वाली क्रूजर जीप रास्ते में खड़े एक खड़े ट्रक से टकरा गई।

थाना प्रभारी के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि जीप का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन में सवार लोग बुरी तरह फंस गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों और मृतकों को बाहर निकाला। वर्मा ने बताया कि दुर्घटना में बीदर निवासी संतोष कुमार, सुनीता, गणेश, शिवकुमार तथा दो अन्य की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों को बीएचयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और कर्नाटक पुलिस को इस हादसे की जानकारी दे दी गई है।

प्रदर्शन

कर्नाटक राज्य संजीवनी कर्मचारियों ने नौकरी की सुरक्षा और वेतन में बढ़ोतरी की मांग को लेकर शुक्रवार को बेंगलूरु में विरोध प्रदर्शन किया।

उदयनिधि का प्रधान पर पलटवार, कहा तमिलनाडु दो-भाषा नीति का पालन करेगा

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को नयी शिक्षा नीति (एनईपी) विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर पलटवार करते हुए कहा कि राज्य केवल दो-भाषा नीति का पालन करेगा। प्रधान ने इससे पहले शिक्षा नीति को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर हमला बोला था। उदयनिधि ने कहा कि राज्य केंद्र से केवल अपने द्वारा चुकाए गए करों से मिलने वाले हिस्से की मांग कर रहा है।

उन्होंने कहा, हम अपना हिस्सा, लगभग 2150 करोड़ रुपये मांग रहे हैं। वे (केंद्र) चाहते हैं कि हम एनईपी और तीन-भाषा नीति को स्वीकार करें। तमिलनाडु हमेशा से तीन-भाषा नीति का विरोध करता रहा है, इसलिए इस मुद्दे पर राजनीति करने के लिए है ही क्या। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता ने संवाददाताओं से कहा, शिक्षा तमिलों का अधिकार है, कृपया समझिये की राजनीति कौन कर रहा है। इससे पहले प्रधान ने एनईपी के कार्यान्वयन पर जारी विवाद को लेकर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधा था और उन पर राजनीतिक एजेंडे को बनाए रखने के लिए प्रगतिशील सुधारों को खतरे में डालने' का आरोप लगाया था। प्रधान ने स्टालिन को लिखे पत्र में कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर छात्रों के हितों के बारे में सोचना चाहिए क्योंकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से उन्हें लाभ होगा। शिक्षा मंत्री स्टालिन द्वारा बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्र का जवाब दे रहे थे। स्टालिन ने अपने पत्र में कहा कि केंद्र प्रायोजित दो पहलों समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) और पीएम श्री स्कूल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) से जोड़ना मौलिक रूप से अस्वीकार्य है। प्रधान ने स्टालिन को लिखे अपने पत्र में कहा, प्रधानमंत्री को भेजा गया पत्र मोदी सरकार द्वारा प्रचारित सहकारी संघवाद की भावना का पूर्ण खंडन है।

अध्यक्ष की नियुक्ति
भर्ती एवं मूल्यांकन केंद्र (आरएसी)

RAC-DRDO

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ)
भर्ती एवं मूल्यांकन केंद्र (आरएसी)
लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली - 110054

विज्ञापन सं. 157

अंतिम तिथि : रोजगार समाचार में इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन

भर्ती एवं मूल्यांकन केन्द्र (आरएसी) रक्षा मंत्रालय के अधीन डीआरडीओ का एक निगमित निकाय है, जो नियमित आधार पर डीआरडीओ के वैज्ञानिकों की भर्ती, मूल्यांकन और प्रशिक्षण से संबंधित चयन गतिविधियों की एक विस्तृत शृंखला में संलग्न है। यह वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) और अन्य संबद्ध एजेंसियों को भी समान चयन सेवाएं प्रदान करता है। डीआरडीओ को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के दायरे से छूट दिए जाने के बाद 23 जुलाई, 1985 को आरएसी की स्थापना की गई थी।

आरएसी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए आरएसी को एक स्थापित और सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाले योग्य उम्मीदवार की तलाश है। (7वें सीपीसी में वेतन मैट्रिक्स का स्तर 17 / वेतन स्तर 2,25,000 रुपए, जो कि छठे सीपीसी के शीर्ष वेतनमान 80,000 रुपए के अनुरूप है)।

नौकरी का विवरण:

आरएसी अध्यक्ष मुख्य रूप से डीआरडीओ वैज्ञानिकों की भर्ती और मूल्यांकन से संबंधित नीतियों के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं। आरएसी के अध्यक्ष सभी चयन गतिविधियों के निष्पादन में निष्पक्षता और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए भी जिम्मेदार हैं, ताकि सभी हितधारकों की संतुष्टि का उच्चतम स्तर प्राप्त किया जा सके।

पात्रता:

भारत सरकार के सचिव स्तर (वेतन स्तर 17) के प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त/सेवारत व्यक्ति (वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीविद्, सिविल सेवक और शिक्षाविद) आवेदन करने के पात्र हैं।

चयन प्रक्रिया:

अध्यक्ष की नियुक्ति अनुबंध पर पुनः नियुक्ति के आधार पर की जाएगी। अध्यक्ष का चयन भारत सरकार द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय खोज-सह-चयन समिति के माध्यम से किया जाएगा, जो कि वर्तमान कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के निर्देशों के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) के अनुमोदन से किया जाएगा।

खोज-सह-चयन समिति को इस विज्ञापन के तहत प्राप्त बायोडेटा पर विचार करने के अलावा उक्त पद पर नियुक्ति के लिए किसी अन्य नाम पर विचार करने का अधिकार होगा।

नियुक्ति की अवधि:

नियुक्ति तीन (03) वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु प्राप्त होने तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाएगी।

वचनबद्धता:

इच्छुक व्यक्तियों को अपने बायोडेटा के एक भाग के रूप में यह वचन देना होगा कि चयनित होने पर वे पदभार ग्रहण करेंगे। बिना वचनबद्धता के बायोडेटा को तुरंत अस्वीकार कर दिया जाएगा।

आवेदन कैसे करें:

बायोडेटा का प्रारूप आरएसी वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है और विधिवत भरा हुआ बायोडेटा स्पीड पोस्ट द्वारा 'निदेशक, भर्ती एवं मूल्यांकन केंद्र, लखनऊ रोड, तिमारपुर, दिल्ली - 110054' को इस विज्ञापन के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर पहुंच जाना चाहिए।

अधिक जानकारी के लिए कृपया आरएसी की वेबसाइट https://rac.gov.in पर जाएं। इस संबंध में किसी भी प्रश्न के लिए कृपया director.rac@gov.in पर ईमेल के माध्यम से संपर्क करें।

CBC 10301/11/0164/2425

मंत्री की अनुचित टिप्पणी पर विधानसभा में हंगामा, डोटासरा सहित छह विधायक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संदर्भ में एक अनुचित शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर शुक्रवार को विधानसभा में भारी हंगामा हुआ और कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। सदन में कथित अशोभनीय व निंदनीय आचरण करने के लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित पार्टी के छह विधायकों को बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग द्वारा रखे गए इस आशय के प्रस्ताव के पारित होने की घोषणा की। इसके बाद सदन की कार्यवाही 24 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्य सचेतक गर्ग ने विधायकों के निलंबन का प्रस्ताव रखा।

उन्होंने कहा, मैं निवेदन करता हूं कि प्रतिपक्ष के सदस्यों द्वारा सदन में अशोभनीय और निंदनीय आचरण किए जाने के फलस्वरूप निम्नांकित माननीय सदस्यों को वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए... गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन, हाकिम अली व संजय कुमार। नारेबाजी व शोर शराबे के बीच देवनानी ने इस प्रस्ताव को पारित हुआ घोषित किया। इसके बाद सदन की कार्यवाही 24 फरवरी पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस विधायक सदन में धरने पर बैठ गए।

उल्लेखनीय है कि मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संदर्भ में एक अनुचित शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। गहलोत ने प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा, 2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस पर आपत्ति जताई और मंत्री से माफी मांगने एवं शब्द को कार्यवाही से हटाए जाने की मांग की। इसके बाद कांग्रेस के विधायकों ने नारेबाजी शुरू कर दी और वे आसन के सामने आ गए। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, दादी सम्मानित शब्द है।

कांग्रेस के विधायक आसन की ओर बढ़ने लगे तो विधानसभा अध्यक्ष ने पूर्वाह्न 11 बजकर 36 मिनट पर कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भी कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी जारी रही जिसके बाद कार्यवाही को फिर से दो बजे तक स्थगित कर दिया गया। इसके बाद दो बजे भी कांग्रेस के सदस्यों की आसन के सामने नारेबाजी जारी रही और कार्यवाही को चार बजे तक स्थगित कर दिया गया।

जूली ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार के मंत्री की टिप्पणी लज्जाहीन एवं अमर्यादित है। उन्होंने मंत्री से माफी मांगने को कहा। विधायक एवं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, इंदिरा जी का अपमान, नहीं सहेगा राजस्थान। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी पर टिप्पणी करने वाले भाजपा सरकार के मंत्री अविनाश गहलोत माफी मांगे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। पूर्व मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, ऐसा लगता है कि राजस्थान की भाजपा सरकार विधानसभा चलाना ही नहीं चाहती है इसलिए कभी उनके मंत्री दिवंगत प्रधानमंत्री पर तो कभी इनके विधायक दिवंगत मुख्यमंत्री पर अनर्गल टिप्पणी करते हैं।

उन्होंने लिखा, आज मंत्री श्री अविनाश गहलोत द्वारा देश के लिए शहादत देने वाली श्रीमती इंदिरा गांधी पर स्तरहीन टिप्पणी की गयी है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सदन के बाहर संवाददाताओं से कहा, आज हमारे सभी मंत्री प्रश्न का प्रभावी तरीके से जवाब दे रहे थे। प्रतिपक्ष एकदम बौखला गया। दादा, दादी, मामा, मामी- ये असंसदीय भाषा नहीं है, ये सम्मानजनक शब्द हैं। उन्होंने कहा, मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अगर दादी कहकर संबोधित किया जाए तो यह असंसदीय नहीं, सम्मानजनक शब्द है। राजस्थान के मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के संदर्भ में एक अनुचित शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में हंगामा हुआ और कांग्रेस विधायकों की नारेबाजी के बीच सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा, 2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था।

राजस्थान सरकार भी स्थानीय भाषा को अधिकारिक भाषा की मान्यता देने पर करे विचार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि राजस्थान सरकार भी उत्तरप्रदेश सरकार की तर्ज़ पर संविधान के अनुच्छेद 345 के तहत स्थानीय भाषा को अधिकारिक भाषा की मान्यता देने पर विचार करना चाहिए। गहलोत ने शुक्रवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर राजस्थान के विभिन्न जिलों में बोली बोलियों सहित राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को दोहराते हैं। उन्होंने कहा कि अगस्त, 2003 में हमारी सरकार ने राजस्थान विधानसभा से इस संबंध में प्रस्ताव पारित कर केन्द्र सरकार को भेजा था।

भाजपा सरकार नहीं चलाना चाहती विधानसभा

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि ऐसा लगता है कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार विधानसभा चलाना ही नहीं चाहती है इसलिए कभी उनके मंत्री दिवंगत प्रधानमंत्री पर तो कभी इनके विधायक दिवंगत मुख्यमंत्री पर अनर्गल टिप्पणी करते हैं। गहलोत ने शुक्रवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा देश के लिए शहादत देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी पर स्तरहीन टिप्पणी की है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले विधायक गोपाल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर पर किरोड़ी लाल मीणा एवं हरीश शर्मा का एनकाउंटर करने के प्रयास का आरोप लगाया जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह नहीं भूलना चाहिए कि माथुर एक स्वतंत्रता सेनानी भी रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सब भाजपा की स्तरहीन सोच का नतीजा है जो राज्य के विकास पर चर्चा नहीं करना चाहती।

सदन में आईपैड का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किए जाने पर पीड़ा जताई देवनानी ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन में नए लगाए गए आईपैड का विधायकों द्वारा सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किए जाने पर पीड़ा जताई है। देवनानी ने कहा कि कुछ विधायक तो इनका इस्तेमाल 'स्टेंड' के रूप में कर रहे हैं ताकि इन पर कागज रखकर पढ़े जा सकें। उन्होंने कहा, सभी विधायकों की सीटों पर आईपैड लगाये गये हैं और बार-बार कहने के बावजूद भी इनका उपयोग सही तरीके से नहीं किया जा रहा। कुछ विधायक तो इसे स्टैंड के रूप में काम में ले रहे हैं, इन पर कागज रखकर पढ़ने और दबाव डालने से चार सीटों पर लगे आईपैड की मरम्मत कराई गई है। देवनानी ने विधायकों से अनुरोध किया कि ये आईपैड 'स्टैंड' नहीं हैं, उपकरण हैं जिनका इस्तेमाल काम को डिजिटल तरीके से करने के लिए किया जाता है।

उन्होंने कहा कि विधायक इन आईपैड का उपयोग प्रशिक्षण में बताए गए तरीकों से करें। उन्होंने कहा कि विधायक आईपैड को लॉक करके न जाए, ना ही इनके साथ फोन कनेक्ट करें और स्टैंड के रूप में तो इनका बिल्कुल ही उपयोग न करें। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इन नाजुक चीजों का उपयोग अपना समझ कर करें। उल्लेखनीय है कि 'वन नेशन-वन एप्लीकेशन' के तहत सदन में सभी 200 विधायकों की सीटों पर आईपैड लगाये गए हैं।

बजट घोषणा के तहत प्रदेश में अब 20 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित : ओटाराम देवासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष की बजट घोषणा में प्रदेश में लखपति दीदी योजना का दायरा बढ़ाते हुए अब 20 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना के तहत वर्ष 2024-2025 की बजट घोषणा के द्वारा 15 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध राजीविका द्वारा जनवरी, 2025 तक 15 लाख 21 हजार 332 लखपति दीदी का चिन्हिकरण कर इन्हें विभिन्न आजीविका सम्बन्धित गतिविधियों से जोड़ा गया है।

उन्होंने जानकारी दी कि लखपति दीदी स्वयं सहायता समूह की सदस्या होती हैं। इस योजना के तहत महिलाओं को सीधे रोजगार न देकर विभिन्न कृषि एवं गैर कृषि आधारित गतिविधियों से जोड़कर इनकी आय को 1 लाख से अधिक किये जाने का प्रावधान है। इससे पहले विधायक रफीक खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार पालनहार योजनान्तर्गत कुल 6 लाख 15 हजार 98 बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है।

योग आत्म विकास का सबसे बड़ा माध्यम : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को कहा कि भारत योग की संस्कृति से जुड़ा राष्ट्र है और योग आत्म विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। वे यहां 'योग साधक सम्मान' समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योग और फागुन महोत्सव की तर्ज पर शिक्षा महोत्सव भी आयोजित किया जाना चाहिए। आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि योग आत्म विकास का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि यह किसी और के लिए नहीं बल्कि हमारे अपने स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है। उन्होंने इस अवसर पर 1611 मिनट का अनवरत योग कर विश्व कीर्तिमान स्थापित करने में महती भूमिका निभाने वाले योगाचार्य, योग प्रशिक्षकों और योग प्रेरकों का अभिनंदन करते हुए उन्हें सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ तथा सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद थीं।

शिक्षकों के स्थानान्तरण के लिए नीति बनाये जाने की कार्यवाही विचाराधीन : शिक्षा मंत्री

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में शिक्षकों के स्थानान्तरण के लिए नीति बनाये जाने की कार्यवाही विचाराधीन है। इस संबंध में सभी सम्बान्धित पक्षों, शिक्षाविद एवं शैक्षिक संगठनों के विचार व सुझाव आमंत्रित किये जाएंगे। शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने सदन को बताया कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण के संबंध में मंत्रिमंडल के निर्णय के बाद कार्यवाही की जाएगी।

इससे पहले विधायक कैलाश चंद वर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में शिक्षा मंत्री ने बताया कि वर्तमान में राज्य सरकार के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के स्थानान्तरण पर प्रतिबंध है। उन्होंने बताया कि प्रारम्भिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत तृतीय श्रेणी शिक्षकों के वर्ष 2018 के बाद स्थानान्तरण नहीं किए गए हैं। उन्होंने वर्ष 2018 के बाद किये गए स्थानान्तरणों का विवरण सदन के पटल पर रखा।

बेहतर तालमेल से लोगों को दें केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विभागीय अधिकारी बेहतर तालमेल के साथ केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाकर राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बिरला बूंदी जिले में संचालित योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन तथा अब तक अर्जित प्रगति की गुरूवार को कोटा जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। बैठक में लोकसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि जिले में संचालित विकास कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें ताकि आमजन को इनका लाभ मिल सके।

उन्होंने ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज के माध्यम से संचालित योजनाओं व कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सांसद एवं विधायक कोष से स्वीकृत कार्य शीघ्र शुरू हो, तय समय में पूरे किए जाएं। माडा के विभिन्न चरणों में अनुमोदित कार्यों में शुरू होने से शेष कार्य प्रारम्भ करवाकर इनमें प्रगति अर्जित की जाए। सीएसआर के तीनों चरणों में अनुशंसित एवं अनुमोदित कार्य की प्रगति बढाएं। उन्होंने जिले में मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत कार्यों तथा उपलब्ध करवाए जा रहे रोजगार के बारे में भी जानकारी ली और कहा कि पात्र सभी व्यक्तियों को रोजगार दिया जाए, प्रधानमंत्री आवास योजना में पूर्ण हो चुके आवासों का भुगतान समय पर हो। उन्होंने आओ गांव चले अभियान की प्रगति की समीक्षा भी की। बिरला ने जिले में सड़क निर्माण, सुदृढ़ीकरण, नवीनीकरण कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि निर्माण संबंधी कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। बजट घोषणाओं में शामिल कार्यों को पूरी तैयारी के साथ पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग से स्वीकृत तात्कालिक परिसंपत्तियों की तात्कालिक मरम्मत के लिए प्राप्त राशि का उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण पत्र भिजवाना सुनिश्चित करें। मेडिकल कॉलेज में वांछित संसाधनों की सूची भिजवांए, गरडदा परियोजना का कार्य जल्दी पूरा करें।

आईफा 2025 : बॉलीवुड का सबसे बड़ा जश्न पहली बार जयपुर में 8-9 मार्च को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े जश्न का समय आ गया है। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी (आईफा) वीकेंड और अवॉर्ड्स अपने 25वें संस्करण के साथ इतिहास रचने जा रहा है। इस बार आईफा का यह भव्य उत्सव 8 और 9 मार्च, 2025 को राजस्थान की रंगीन और सांस्कृतिक राजधानी जयपुर में होने जा रहा है। जयपुर की शाही विरासत और ऐतिहासिक भव्यता के बीच, आईफा के सिल्वर जुबली एडिशन का यह आयोजन अब तक का सबसे भव्य समारोह बनने जा रहा है। यह सिर्फ एक अवॉर्ड नाइट नहीं, बल्कि सिनेमा की कला, इनोवेशन और कहानी कहने की ताकत को सलाम करने वाला एक ऐतिहासिक पल होगा।

इस खास मौके पर भारतीय सिनेमा की वैश्विक पहचान का जश्न मनाया जाएगा, जहाँ दर्शकों और इंडस्ट्री के दिग्गजों का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। तो सितारों से सजी एक यादगार शाम आपका इंतजार कर रही है। आईफा-25 का हिस्सा बनें, गुलाबी नगर जयपुर में इतिहास रचने के लिए तैयार हो जाइए !

आईफा का सिनेमाई रंग अब डिजिटल और ओटीटी एंटरटेनमेंट तक पहुँचेगा; सोभा रियल्टी आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स, को-प्रेजेंटेड बाय नेक्सा, डिजिटल क्रिएटिविटी और नवाचार का भव्य उत्सव लेकर आ रहा है। इस खास मौके को विजय वर्मा, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना होस्ट करेंगे, जहाँ ओटीटी के शानदार टैलेंट को सम्मान मिलेगा। आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स में नोरा फतेही अपनी स्टनिंग परफॉर्मेंस से मंच पर आग लगाएँगी। संगीत की जादूगरनी श्रेया घोषाल अपनी सुरीली आवाज़ से इस शाम को और भी यादगार बनाएँगी। संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर पहली बार आईफा स्टेज पर अपनी एनर्जेटिक परफॉर्मेंस से धमाल मचाएँगे। मीका सिंह की हाई-वोल्टेज परफॉर्मेंस से सभी झूमेंगे।

'राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह' का आयोजन 24 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में सोमवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 19 वीं किश्त जारी करने के उपलक्ष्य में 24 फरवरी को राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में आयोजित किये जा रहे 'राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह' की व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन हेतु विभागीय अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में 'किसान सम्मान समारोह' के आयोजन की तैयारियों को लेकर कृषि व सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने समारोह की तैयारियों हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की एवं दिये गये कार्यो को समय पर जिम्मेदारी के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये।

राजन विशाल ने बताया कि समारोह को बहुपयोगी बनाने के लिए अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेन्द्र कुमार को वेन्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर, निमंत्रण पत्र प्रारूप एवं आमंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं फार्मर मूवमेन्ट एवं पंजीकरण की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक उद्यान हिम्मत सिंह और संयुक्त निदेशक (कृषि विपणन) केसर सिंह को दी गई है। इसी तरह प्रदर्शनी कमेटी की जिम्मेदारी अतिरिक्त निदेशक उद्यान अतर सिंह मीणा व मीडिया कमेटी की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक कृषि (फसल बीमा) डॉ0 जगदेव सिंह को दी गई है। बैठक में आयुक्त कृषि सुचिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि विपणन विभाग रविन्द्र कुमार शर्मा , अतिरिक्त निदेशक कृषि टी.के. जोशी सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

साहित्य कानून का मानवीकरण करता है : चंद्रचूड़

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि साहित्य कानून को मानवीय बनाता है और यह कानूनी पुस्तकों में संदर्भ और करुणा के बीच के अंतर को पाट सकता है। पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने 'ओकब्रिज पब्लिशिंग' द्वारा आयोजित 'विधि उत्सव 2025 – विधि, कानूनी साहित्य और प्रकाशकों का उत्सव' के उद्घाटन समारोह में कहा, ''साहित्य कानून को मानवीय बनाता है। कानूनी पाठ में संदर्भ, करुणा और व्यापकता की जो कमी हो सकती है, उसे साहित्य से पाटा जा सकता है। चूंकि वकील, कानूनी पेशेवर और न्यायाधीश नैतिक निर्णय लेते हैं, इसलिए बदलती दुनिया में कानून हमेशा कम पड़ सकता है और यहां तक कि स्थापित विचारों को भी गहन समझ की आवश्यकता हो सकती है।'' उन्होंने कहा कि न्यायालय की पीठ को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उप-वर्गीकरण की वैधता पर निर्णय लेते समय सामाजिक वास्तविकताओं की गहन समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक और सांख्यिकीय समझ की आवश्यकता थी।

कांग्रेस ने 'यूएसएड' संबंधी खबर को लेकर भाजपा से माफी की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 'यू.एस. एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट' (यूएसएड) की ओर से वित्तपोषण से जुड़ी एक खबर को लेकर शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला और कहा कि अब सच्चाई सामने आने के बाद सत्तारूढ़ दल को माफी मांगनी चाहिए। दूसरी तरफ, भाजपा ने खबर को 'लीपापोती' और 'फर्जी' बताते हुए इसे खारिज कर दिया और आरोप लगाया कि 'गांधी परिवार के चाटुकार' भ्रामक दावे करके भ्रम फैला रहे हैं।

कांग्रेस ने यह भी कहा कि 'यूएसएड' तथा अन्य ऐसी विदेशी एजेंसियों द्वारा पिछले 70 वर्षों के दौरान भारत में की गई 'फंडिंग' पर श्वेत पत्र लाया जाना चाहिए। अंग्रेजी दैनिक 'इंडियन एक्सप्रेस' की इस खबर में दावा किया गया है कि 'यू.एस. एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट' (यूएसएड) की ओर से मतदान में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मंजूर की गई 2.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता भारत नहीं बल्कि बांग्लादेश के लिए थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर यह खबर साझा करते हुए पोस्ट किया, ''झूठ सबसे पहले वाशिंगटन में बोला गया। फिर झूठ को भाजपा की झूठ सेना द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया...अब झूठ का पूरी तरह से पर्दाफाश हो गया है।''

ओडिशा: परीक्षा केंद्र जा रहे 11 छात्र वाहन पलटने से घायल

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में शुक्रवार को एक वाहन के पलटने से 10वीं कक्षा की परीक्षा देने जा रहे कम से कम 11 छात्र घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन एक साइकिल सवार को टक्कर मारने के बाद सड़क के किनारे नहर में गिर गया। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना में साइकिल सवार की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि बाघमारी इलाके के विवेकानंद हाई स्कूल के छात्र खमारा साही के नागा नारायण हाई स्कूल में दसवीं कक्षा की परीक्षा देने जा रहे थे कि तभी तेज गति से जा रहे उनके वाहन ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी और फिर सड़क किनारे नहर में जा गिरा। पुलिस के मुताबिक, घायल छात्रों को इलाज के लिए तालचुआ अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि मामूली रूप से घायल कुछ छात्र परीक्षा में शामिल हुए।

भारत राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी, 2026 में छोड़े गए खेलों के आयोजन का इच्छुक

नई दिल्ली/भाषा। भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का इच्छुक है और 2026 में ग्लास्गो खेलों से बाहर किये सभी खेलों का आयोजन भी कराने के लिये तैयार है ताकि देश की पदक तालिका पर असर नहीं पड़े। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा, '' हम राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के इच्छुक हैं और इस मसले पर राष्ट्रमंडल खेल महासंघ से औपचारिक बात हो चुकी है। हमने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर किये सभी खेलों का आयोजन भारत में कराने का अनौपचारिक प्रस्ताव रखा है।'' राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी की इच्छा जताने का पत्र सौंपने की आखिरी तारीख 31 मार्च है और सूत्रों ने कहा प्रक्रिया जल्द पूरी की जायेगी।

'प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उप्र एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। योगी ने कहा कि अकेले महाकुंभ के आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि दुनिया आज राज्य की क्षमता देख रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के प्रश्न के जवाब में कहा, उत्तर प्रदेश ने एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है और भारत तीन नहीं पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने सपा सदस्य पर तंज कसते हुए कहा, आपकी पीड़ा को समझ सकता हूं, क्योंकि आपके नेता बोलते थे कि भारत कभी विकसित देश नहीं बन सकता इसलिए आप उनका अनुसरण हीं करेगी। योगी ने कहा, भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और 2027 में भारत पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है और दुनिया की सबसे तेजी उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में सर्वाधिक विकास दर के साथ भारत आज दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है और इस पर 140 करोड़ भारतवासियों को गौरव का अहसास होना चाहिए। लेकिन प्रधानमंत्री की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश ने एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने प्रश्न किया था कि प्रदेश को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की क्या कार्य योजना बनाई गई है और ये लक्ष्य कब तक प्राप्त कर लिया जायेगा? योगी ने सोनकर के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर के स्तर पर ले जाने के लिए सरकार ने लक्ष्य को 10 सेक्टर में विभाजित किया है। उन्होंने कहा कि 10 सेक्टरों में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास, कृषि उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा, नगरीय विकास, ग्राम विकास, राजस्व संग्रह, शिक्षा(चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पर्यटन एवं संस्कृति और विविध बनाकर इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर के लिए अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारियों को प्रभारी नामित किया गया है।

संभल में 24 नवंबर को हुए दंगा मामले में अदालत में आरोप पत्र दाखिल

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिले में पिछले वर्ष 24 नवंबर को एक मस्जिद में सर्वेक्षण के दौरान भड़की हिंसा और दंगा मामले में पुलिस ने विवेचना पूरी कर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) हरिओम प्रकाश सैनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि संभल हिंसा मामले में आरोप पत्र जिले के चंदौसी स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) अर्चना सिंह की अदालत में दाखिल किया गया। उन्होंने बताया, ''संभल थाने के मुकदमा संख्या 333/24 में 39 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया, जबकि जांच के दौरान 54 नाम सामने आए हैं। उनकी जांच अभी भी जारी है। इसी तरह संभल थाने के मुकदमा संख्या 336/24 में 37 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है, जबकि 52 और लोगों की पहचान की गई है, जिनके खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।'' सैनी ने नखासा थाने के अंतर्गत दर्ज मामलों के बारे में बताया कि मुकदमा संख्या 304/24 में 25 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किए जा चुके हैं, जबकि 15 अभी भी वांछित हैं और उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए जा चुके हैं।

'उप्र सरकार ने 5600 श्रमिकों को रोजगार के लिए इजराइल भेजा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि ''आउटसोर्सिंग ऑफ मैन पावर'' के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गयी है जिसके तहत 5,600 श्रमिकों को सफलतापूर्वक इजराइल भेजा गया है, तथा 5,000 अतिरिक्त श्रमिकों को भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है।

राजभर ने यह भी बताया कि कहा कि विगत दो वर्षों में सेवायोजन कार्यालय में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों (इंटर, बीए, डिप्लोमा, बीटेक, एमटेक, पीएचडी की संख्या 5,68,062 है और विगत दो वर्षों (एक अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2024 तक) में सेवा कार्यालयों द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से 475510 अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार हेतु चुना गया है।

विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को प्रश्नकाल में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य प्रभु नारायण यादव के प्रश्न के उत्तर में राजभर ने बताया कि राज्य सरकार ने रोजगार के अवसरों के लिए 5,600 श्रमिकों को सफलतापूर्वक इजराइल भेजा है तथा 5,000 अतिरिक्त श्रमिकों को भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा, इजराइल में हमारे श्रमिक राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।''

सरकार की रोजगार पहलों को आगे बढ़ाते हुए राजभर ने सरकार समर्थित संस्था राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ सहयोग की घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य विदेशों में रोजगार के लिए आवेदन की सुविधा दे रहा है, जिसमें जर्मनी में 5,000 नर्सों की मांग शामिल है, जिनका पैकेज 2.5 लाख रुपए प्रति माह है।

राहुल गांधी ने भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार को विफल बताया, उप्र सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली (उप्र)/भाषा। कांग्रेस नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए उसकी तथाकथित 'डबल इंजन' सरकार को पूरी तरह विफल और 'इंजन रहित' सरकार करार दिया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार पर बेरोजगारी और महंगाई को दूर करने में विफल रहने का आरोप लगाया और निजीकरण की दिशा में केंद्र के कदम की आलोचना की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर कांग्रेस उप्र में सत्ता में आती है, तो वह कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों की तरह रोजगार के अवसर सृजित करेगी। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दूसरे दिन लालगंज इलाके में युवाओं से बातचीत करते हुए गांधी ने कहा, यह 'डबल इंजन' वाली सरकार नहीं है; बल्कि यह बिना इंजन वाली सरकार है। गांधी ने कहा,''जनता महंगाई और बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, फिर भी सरकार के पास कोई ठोस समाधान नहीं है। उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि नोटबंदी ने छोटे कारोबारियों को खत्म कर दिया और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार उन्हें सहारा देने में विफल रहा। उन्होंने कहा,युवाओं ने पढ़ाई की, लेकिन वे अब भी बेरोजगार हैं क्योंकि (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी ने नोटबंदी लागू की, जिसने छोटे कारोबारियों को खत्म कर दिया। भ्रष्टाचार, अदाणी, अंबानी- आपको इनके बीच के संबंध को समझने की जरूरत है। अगर आपको रोजगार चाहिए, तो पहला कदम छोटे कारोबारियों को पुनर्जीवित करना और उनकी रक्षा करना है। जीएसटी में बदलाव की जरूरत है। जब तक बैंक आपके लिए अपने दरवाजे नहीं खोलेंगे, तब तक रोजगार संभव नहीं होगा।

गांधी ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते निजीकरण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, आम लोगों के लिए बुनियादी सेवाएं दुर्गम होती जा रही हैं। निजी स्कूलों में पढ़ने के लिए लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं, लेकिन अगर डिग्री रोजगार नहीं देती है, तो यह कागज के बेकार टुकड़े से ज्यादा कुछ नहीं है। इसी तरह, निजी अस्पतालों में इलाज कराना आम आदमी के लिए मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने सरकार पर आर्थिक असमानता बढ़ाने का आरोप लगाया।

भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार ओडिशा के लिए 'डबल मुसीबत' साबित हुई : नवीन पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार का मजाक उड़ाया और कहा कि यह राज्य के लिए दोहरी मुसीबत साबित हुई है।

बीजद अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि केंद्र सरकार ने ओडिशा के लिए अनुदान राशि में कोई वृद्धि नहीं की है। पांच बार मुख्यमंत्री रह चुके पटनायक सोमवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी द्वारा पेश ओडिशा बजट पर सामान्य चर्चा में भाग ले रहे थे। पटनायक ने कहा, भाजपा राज्य में लोगों से यह वादा करके सत्ता में आई थी कि डबल इंजन वाली सरकार से उन्हें दोहरा लाभ मिलेगा। लेकिन यह दोहरी मुसीबत साबित हुई। केंद्र सरकार से अनुदान सहायता के रूप में मिलने वाली राशि में पिछले वर्षों की तुलना में कोई वृद्धि नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि 'डबल इंजन सरकार' के तहत ओडिशा का खुला बाजार ऋण बोझ 46,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। बीजद अध्यक्ष ने कहा कि प्रति व्यक्ति ऋण का बोझ हर साल बढ़ रहा है और इससे राज्य की वित्तीय स्थिति पर बोझ पड़ेगा।

एक दशक बाद फिर साथ खेलेंगे सचिन और युवी, इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में श्रीलंका से होगी भिड़ंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ शुरूआती इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के उद्घाटन मैच में एक बार फिर भारत की प्रतिष्ठित नीली जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 34,000 से अधिक रन और 100 शतक जड़ने वाले दिग्गज खिलाड़ी तेंदुलकर ने खेल के हर प्रारूप में दबदबा बनाया। हालांकि भारत के लिए वह सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेले। इससे प्रशंसकों के लिए उन्हें एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय जर्सी में देखना दिलचस्प होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबलों ने प्रशंसकों को रोमांचित किया है। तेंदुलकर और युवराज ने अनगिनत अविस्मरणीय मुकाबले खेले हैं जिनमें से 2011 वनडे विश्व कप फाइनल का कोई मुकाबला नहीं है जिसमें भारत चैंपियन रहा था। तेंदुलकर ने कहा, ''हमने पिछले कुछ वर्षों में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कुछ अविस्मरणीय पल देखे हैं जिनमें 2011 का विश्व कप सबसे खास था। '' उन्होंने कहा, ''इतने साल के बाद मैदान पर वापस आना और एक ऐसी टीम का सामना करना जो हमारे क्रिकेट के सफर का इतना बड़ा हिस्सा रही है, इसे और भी खास बनाता है। '' दूसरी ओर युवराज ने 2011 विश्व कप और 2007 टी20 विश्व कप सहित भारत की कई महत्वपूर्ण जीत में अहम भूमिका निभाई है। युवराज ने कहा, ''मैं फिर से मैदान पर वापसी के लिए बेताब हूं। भारत बनाम श्रीलंका हमेशा से रोमांचक मुकाबला रहा है और मुझे पता है कि प्रशंसक भी उतने ही उत्साहित हैं जितने हम हैं। '' उन्होंने कहा, ''दिग्गजों के साथ खेलना और पुरानी प्रतिद्वंद्विता को फिर से शुरू करना, यही इंटरनेशनल मास्टर्स लीग का उद्देश्य है। सचिन पाजी के नेतृत्व में सांगा (संगकारा) और श्रीलंकाई टीम के खिलाफ खेलना, ऐसा लग रहा है जैसे हम बीते समय में चले गए हैं, और खेल के प्रति जुनून पहले जैसा ही है। '' इस टूर्नामेंट में छह टीमें भाग लेंगी जिसमें भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सभी टीम में क्रिकेट के कुछ बड़े स्टार शामिल हैं। यह प्रतियोगिता नवी मुंबई, वडोदरा और रायपुर में आयोजित की जाएगी।

ओडिशा में महिलाओं और बच्चों के लापता होने की खबर पर कांग्रेस ने भाजपा सरकार को आड़े हाथ लिया

भुवनेश्वर/भाषा। कांग्रेस ने ओडिशा में 36,000 से अधिक महिलाओं और 8,400 बच्चों के लापता होने की खबरों को लेकर शुक्रवार को केंद्र की राजग सरकार और राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। मीडियाकर्मियों को यहां संबोधित करते हुए, ओडिशा के नवनियुक्त कांग्रेस प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने पूछा, ''राज्य में मानव तस्करी क्यों बड़े पैमाने पर हो रही है।

मुख्यमंत्री द्वारा राज्य विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले चार वर्ष के दौरान राज्य में 36,000 से अधिक महिलाएं और 8,400 बच्चे लापता हुए। यह चौंकाने वाला आंकड़ा है।'' उन्होंने कहा, ''जब इतनी बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे लापता हैं, तो गृह मंत्रालय क्या कर रहा है? क्या केंद्रीय गृह मंत्री सो रहे हैं?'' मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को राज्य विधानसभा को सूचित किया कि 2020-2024 की अवधि में ओडिशा में कुल 36,420 महिलाएं और 8,404 बच्चे लापता हुए हैं। विधानसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में माझी ने कहा कि बिचौलियों के जरिए 421 महिलाओं या लड़कियों की तस्करी दूसरे राज्यों में की गई, जिसके चलते 453 बिचौलियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस महिला तस्करी की शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज कर रही है और लापता महिलाओं का पता लगाने के लिए कार्रवाई कर रही है।

मेरे पिता 100% फिट, उन्हें वोट दें: नीतीश के बेटे ने लोगों से की अपील

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने शुक्रवार को लोगों से इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनके पिता को फिर से सत्ता में लाने के लिए वोट देने का आग्रह किया और कहा कि कुमार 100 प्रतिशत फिट हैं। निशांत (47) ने यहां हवाई अड्डे पर पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत की, हालांकि उन्होंने राजनीति में खुद के प्रवेश की अटकलों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

दिल्ली में एक शादी समारोह में शामिल होने गए निशांत ने कहा, यह चुनावी साल है। मैंने पहले भी लोगों से अपने पिता के लिए वोट देने का आग्रह किया है। मैंने फिर ऐसा ही किया। उन्होंने बिहार के लिए बहुत कुछ किया है। उनके सत्ता में लौटने से यह सुनिश्चित होगा कि विकास निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

सांसद पर हमले के मामले में पुलिस ने 10 संदिग्धों की पहचान की: हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि नगांव जिले में कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन और उनके निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) पर हमला करने के मामले में अब तक कुल 10 लोगों की पहचान कर ली गई है।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पुलिस ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन पर हमले की कथित घटना में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर ली है। उन्होंने आरोपियों के नाम और स्थानों को साझा करते हुए कहा कि पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी।

धुबरी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद हुसैन, उनके बेटे तंजील और उनके पीएसओ पर बृहस्पतिवार को नगांव जिले के रूपाहीहाट इलाके में 'रकीबुल हुसैन वापस जाओ' के नारे लगाते हुए नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दिया। सांसद को क्रिकेट का बल्ला मारा गया लेकिन वे सुरक्षित बच गए। हालांकि, उनके दो पीएसओ को मामूली चोटें आईं। शर्मा ने हमले के बाद बृहस्पतिवार को विधानसभा में कहा था कि सांसद के जिले में रहने के दौरान उनकी सुरक्षा बढ़ा दी जाएगी, खासकर सामगुरी और रूपाहीहाट इलाकों में। समूचे विपक्ष ने शुक्रवार को राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि यह 'लोकतंत्र की हत्या' है और असम में 'जंगल राज और गुंडा राज' को जगह नहीं दी जाएगी।

विराट कोहली फॉर्म में वापसी के लिए खुद पर बहुत अधिक दबाव बना रहे हैं : अनिल कुंबले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली फॉर्म में वापसी के लिए खुद पर बहुत अधिक दबाव बना रहे हैं और उन्होंने इस स्टार बल्लेबाज को तनाव मुक्त रहने की सलाह दी है। कोहली ने वनडे विश्व कप 2023 के बाद इस प्रारूप में जो छह पारियां खेली हैं उनमें वह केवल 137 रन ही बना पाए हैं जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

कुंबले ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, '''मुझे लगता है कि वह कुछ ज्यादा ही प्रयास कर रहे हैं। वह जिस तरह से अपनी पारी आगे बढ़ा रहे हैं उसमें आप इसे देख सकते हैं। उन्हें इसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''रोहित शर्मा को देखिए वह खुलकर खेलते हैं क्योंकि आगे काफी बल्लेबाज हैं और वे सभी शानदार फॉर्म में हैं। इसी तरह से विराट को भी किसी चीज की चिंता किए बिना खुलकर खेलने की जरूरत है।'' कुंबले ने कहा, ''सभी खिलाड़ी अपने करियर में मुश्किल दौर से गुजरते हैं लेकिन उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखकर मुझे ऐसा लगता है कि वह खुद पर बहुत अधिक दबाव डाल रहे हैं।''

इस पूर्व भारतीय कप्तान का मानना है सहज होकर खेलने से कोहली इस खराब दौर से बाहर निकाल सकते हैं। कुंबले ने कहा, ''जब आप पर इस तरह का दबाव होता है और आप पर अपेक्षाओं का बोझ बन जाता है तो आप अचानक ही इस तरह की चीजों को अनावश्यक महत्व देने लग जाते हो और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बहुत अधिक प्रयास करने लग जाते हो।''

उन्होंने कहा, ''जब आप ऐसा करते हो तो वास्तव में आप तनाव मुक्त नहीं होते हो। मुझे पूरा यकीन है कि जब उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी खेली होगी तब वह इस तरह की चीजों के बारे में नहीं सोच रहे होंगे।''

अभी खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण हैं मोहम्मद शमी : पोंटिंग

दुबई/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने मोहम्मद शमी की दृढ़ता की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में उनका पांच विकेट झटकना इस बात का सबूत है कि चोट से लंबे समय तक बाहर रहने के बाद अब यह तेज गेंदबाज खुद 'सर्वश्रेष्ठ संस्करण' है। शमी ने आईसीसी टूर्नामेंट में वापसी करते हुए 53 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश को 228 रन पर समेट दिया। वह भारत की छह विकेट की जीत के दौरान सबसे कम पारियों में 200 वनडे विकेट लेने वाले भारतीय और दूसरे सबसे तेज गेंदबाज भी बने। पोंटिंग ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, ''उनके लिए वापसी करना और चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में पांच विकेट लेना शानदार है। वह ऐसा ही खिलाड़ी है जिन्हें आप अपनी टीम में चाहते हैं जो आपके लिए कुछ भी कर सकता है। शमी हमेशा मुझे ऐसा ही खिलाड़ी लगता है।''

सुविचार

बस इतनी सी बात समुंदर को खल गई, एक कागज़ की नाव मुझपे कैसे चल गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लीपापोती की नाकाम कोशिश

बांग्लादेशी सीमा सुरक्षा बल 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' (बीजीबी) के महानिदेशक मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुज्ज़मां सिद्दीकी द्वारा दिया गया यह बयान कि उनके देश में 'अल्पसंख्यकों पर हमले नहीं हुए और खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर' पेश किया गया', अत्याचार पर लीपापोती की नाकाम कोशिश है। सिद्दीकी के इस दावे पर कैसे यकीन किया जा सकता है, जब इतनी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है? यह तीस-चालीस साल पुराना दौर नहीं है, जब ऐसी घटनाओं को दबा देने की काफी गुंजाइश रहती थी। शेख हसीना के जान बचाकर भारत आने के बाद बांग्लादेश में जिस तरह अराजकता फैली और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया, उसे सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया ने देखा था। उसके वीडियो आज भी ऑनलाइन उपलब्ध हैं। सिद्दीकी कितने वीडियो को झुठलाएंगे? जब बांग्लादेश में उथल-पुथल जारी थी, तब भारत में कई यूट्यूब चैनल इस पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा उठा रहे थे। उन वीडियो के नीचे कई बांग्लादेशी हिंदुओं और ईसाइयों ने टिप्पणियां की थीं कि 'हम असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, हम भयभीत हैं, हमारी सहायता करने के लिए कोई नहीं है और हम अपने भारतीय भाइयों-बहनों से उम्मीद करते हैं कि वे हमारी आवाज उठाएंगे।' कई टिप्पणियां बांग्ला भाषा में की गई थीं, जिनके स्वत: अनुवाद की सुविधा के कारण बहुत आसानी से समझा जा सकता है कि सिद्दीकी के दावे में दम नहीं है। सिद्दीकी उन बांग्लादेशी अखबारों की रिपोर्टों के आधार पर दुनिया के सामने यह झूठ पेश कर सकते हैं, जो शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा पर हथौड़े चलाए जाने की खबरें प्रकाशित करने से हिचकते रहे। जहां राष्ट्रपिता के सम्मान की यूं सरेआम धज्जियां उड़ाई गईं, महिला प्रधानमंत्री के वस्त्रों को सड़कों पर अश्लीलतापूर्वक लहराया गया, अवामी लीग के कार्यालयों और नेताओं-कार्यकर्ताओं के घरों पर धावा बोला गया, वहां अल्पसंख्यकों पर हमले नहीं हुए? सिद्दीकी किसके द्वारा लिखी गईं पंक्तियां बांच रहे हैं?

ये बांग्लादेशी अधिकारी कहते हैं कि उनके देश के 'प्राधिकारियों ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए', जिसके समर्थन में यह उदाहरण दे रहे हैं कि उनकी 'सेना ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अपने अधिकार क्षेत्र के आठ किलोमीटर के भीतर दुर्गापूजा पंडालों को 'व्यक्तिगत रूप से' सुरक्षा प्रदान की!' अगर दुर्गापूजा पंडालों की सुरक्षा के लिए सेना को तैनात करना पड़ जाए तो यह अपनेआप में इस बात की पुष्टि है कि वहां अल्पसंख्यकों पर खतरा था, उन पर हमले हुए थे। कोई भी देश सेना को कब तैनात करता है? अगर खतरे की कोई बात ही नहीं होती तो स्थानीय पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा सकता था। यकायक कोई सेना को नहीं बुलाता। जब मामला पुलिस के हाथ से निकल जाए, कानून व्यवस्था बेपटरी हो जाए और खतरा टलने का नाम न ले तो सेना का ही सहारा लेना बाकी रह जाता है। बीजीबी के महानिदेशक यह कहकर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं कि 'इसका प्रमाण हाल में आयोजित दुर्गापूजा है, जो सबसे शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित और व्यवस्थित हिंदू त्योहारों में से एक था। बांग्लादेश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सरकार से बहुत सख्त हिदायत मिली थी, ताकि हिंदू समुदाय इसे कर सके।' वास्तव में सरकार की ओर से बहुत सख्त हिदायत मिलना सिद्ध करता है कि बांग्लादेश में बड़े स्तर पर हिंसा हुई थी, जिसकी चपेट में अल्पसंख्यक भी आए थे। सरकार के मुखिया के तौर पर मोहम्मद यूनुस कोरी बयानबाजी करते रहे। उधर, कट्टरपंथियों ने भारी उपद्रव मचा रखा था। इससे यूनुस की खूब किरकिरी हुई थी। बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए भारत से लेकर अमेरिका तक प्रदर्शन हुए थे। यूनुस को निश्चित रूप से इस बात को लेकर आशंका थी कि अगर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए अब कोई उपाय नहीं करेंगे तो 'कार्रवाई' हो सकती है। अगर उन्होंने 'बहुत सख्त हिदायत' दी होगी, तो इसी के मद्देनजर दी होगी। सिद्दीकी ने लीपापोती की बहुत कोशिश की, लेकिन वे अपने शब्दों से बांग्लादेशी सरकार की पोल खोलते गए। बेहतर होता कि वे इतनी ऊर्जा उन उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने में लगाते, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश की प्रतिष्ठा को पलीता लगा दिया है।

ट्वीटर टॉक

लोकतंत्र में विपक्ष को कुछ भी कहने की आज़ादी है, लेकिन क्या कांग्रेस ने कभी किसान सम्मान निधि देने के बारे में सोचा? क्या 150 यूनिट बिजली मुफ्त देने या घर-घर सोलर पैनल लगाने पर विचार किया? हम बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहे हैं।

-मदन राठौड़

छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपका जनसेवा व विकास के प्रति समर्पण प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाए, यही मेरी मंगलकामना है। प्रभु श्री राम से आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना करती हूँ।

-दीया कुमारी

दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से 21 गन सैल्यूट कॉन्कोर्स डी'एलिगेंस का 11वें संस्करण की शुरुआत कर खुशी मिली। दिल्ली से गुरुग्राम तक विंटेज कारों की रैली को हरी झंडी दिखाना रोमांचक रहा। यह आयोजन मुख्यत: गुरुग्राम में ही दो दिनों तक होगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

निश्छल समर्पण का सुख

महान दार्शनिक सुकरात यूनान के गांवों का दौरा कर रहे थे उन्हें रास्ते में विभिन्न गांवों के लोग मिले। वे एक गांव में पहुंचे तो वहां अकाल ग्रस्त इलाके के ग्रामीण संसाधनों की कमी से जूझ रहे थे। एक ग्रामीण ने कहा कि महोदय हम सामर्थ्य न होते हुए आसपास के लोगों के लिए मदद जुटा रहे हैं। लेकिन इसके लिए हमें क्या मिलेगा? हम क्यों परेशान हो रहे हैं? तब सुकरात ने पास में कुएं से पानी खींचते हुए कहा कि जिस प्रकार यह रस्सी प्यासों को लगातार पानी पिलाते हुए कुएं की कनेर से रगड़ खाकर घिस जाती है और अंतत: टूट जाती है, लेकिन फिर भी अपना ऋषि कर्म नहीं भूलती है। यह प्यासों के लिए समर्पित रहती है। उसी प्रकार वृक्ष अपने फल नहीं खाते, नदी पानी नहीं पीती। लेकिन वे परमार्थ सुख प्राप्त करते हैं। उसी तरह तुम्हें भी दूसरों के लिए निश्छल भाव से स्वयं को अर्पित कर अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। वहां उपस्थित सभी ग्रामीण उनसे प्रेरणा लेते हुए अकाल पीड़ितों की मदद में जुट गए।

सामयिक

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता के समक्ष चुनौतियां

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा।

दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

नजरिया

बेटियों को पढाई के साथ चाहिए सुरक्षा और संरक्षा

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

हमारा देश गैर जरूरी मुद्दों पर जब देखों तब उबल पड़ता है। यहां हम बात कर रहे है महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा की। मीडिया की ख़बरें बेहद चिंतित करने वाली है। इन ख़बरों पर गहनता से गौर करे तो पायेंगे देश में बेटियां आज भी सुरक्षित नहीं है। बेटियों की शिक्षा दीक्षा पर लोग आये दिन भाषण झाड़ते मिल जायेंगे, मगर मां बाप जबतक बेटी सुरक्षित घर नहीं लौट आये तब तक राहत की सांस नहीं लेती। भांति भांति के मुखोटे पहने दरिंदे बेटियों की अस्मिता को तार तार करने की ताक में रहते है। इन दरिंदों को समाज और कानून की कोई परवाह नहीं है। हकीकत यह है कि महिलाएं आज भी अपनी अस्मिता की रक्षा, न्याय और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही है।

हमारे देश में महिलाओं को देवी के समान पूजने की परंपरा है। इसी देश में आज महिला अस्मिता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। भारत में आए दिन महिलाएं हिंसा और अत्याचारों का शिकार हो रही हैं। घर से लेकर सड़क तक कहीं भी महिला सुरक्षित नहीं है। देश में महिला सुरक्षा को लेकर किये जा रहे तमाम दावे खोखले साबित हुए है। महिला सुरक्षा को लेकर देशभर से रोजाना अलग-अलग खबरें सामने आती रहती हैं। देश में महिलाओं की स्थिति पर हमेशा ही सवाल खड़े होते रहे हैं। महिलाओं की सुरक्षा के तमाम दावों और वादों के बाद भी उनकी हालत जस की तस है। महिलाएं रोज ही दुष्कर्म, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा और अत्याचार से रूबरू होती है। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। रात में विचरण करना बेहद डरावना लगता है। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचने की चिंता सताने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि हम नारी समानता और सुरक्षा की बात पर गहराई से मंथन करें।

आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति गौर करने के लायक है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है। राष्ट्रीय महिला आयोग की माने तो महिलाओं के खिलाफ अपराध बजाय कम होने के बढ़ते ही जा रहे है। इनमें सबसे अधिक मामले गरिमा के साथ रहने के हक के हनन का रहा यानी महिलाओं के शोषण के थे। देश में आए दिन महिलाएं हिंसा और अत्याचारों का शिकार हो रही हैं। घर से लेकर सड़क तक कहीं भी महिला सुरक्षित नहीं है। महिलाओं के साथ अत्याचार, शारीरिक शोषण और घरेलू हिंसा के मामले सामने आते हैं लेकिन शारीरिक शोषण के मामलों का ग्राफ काफी ऊपर है। यौन अपराधों पर सख्त कानूनों के बावजूद भी जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ है। देश में यौन हिंसा के लगातार सामने आ रहे मामलों की वजह से महिलाओं के प्रति समाज के नजरिये पर फिर चर्चा शुरू हो गई है। पिछले कुछ अर्से में महिलाओं के साथ होने वाले बलात्कार, छेड़छाड़ और शोषण जैसे अपराधों में तेजी आई है। छोटे शहरों से लेकर बड़े शहरों में दर्ज होने वाले हाईप्रोफाइल मामले इसी का सबूत हैं।

भारत को संस्कार, संस्कृति और मर्यादा की त्रिवेणी कहा जाता है। भारतीय संस्कृति में नारी अस्मिता को बहुत महत्व दिया गया है। संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता। अर्थात जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। मगर आज सब कुछ उल्टा पुल्टा हो रहा है। न नारी की पूजा हो रही है और देवताओं की जगह सर्वत्र राक्षस ही राक्षस दिखाई दे रहे है। समाज के नजरिए में भी महिलाओं के प्रति अब तक कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला है।

आजकल रोज प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर महिलाओं के साथ दुष्कर्म और छेड़छाड़ की खबर दिखाई जाती रहती है परंतु इसकी रोकथाम के उपाय पर चर्चा कहीं नहीं होती है। इस तरह के अत्याचार कब रुकेंगें। क्या हम सिर्फ मूक दर्शक बन खुद की बारी का इंतजार करेंगे। लड़कियों पर अत्याचार पहले भी हो रहे थे और आज भी हो रहे हैं अगर इसके रोकने के कोई ठोस उपाय नहीं किये गये। आज भी हमारे समाज में बलात्कारी सीना ताने खुले आम घूमता है और बेकसूर पीड़ित लड़की को बुरी और अपमानित नजरों से देखा जाता है। न तो समाज अपनी जिम्मेदारी का माकूल निर्वहन कर रहा है और न ही सरकार। ऐसे में बालिका कैसे अपने को सुरक्षित महसूस करेगी यह हम सब के लिए बेहद चिंता की बात है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिरकत

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत शुक्रवार को नई दिल्ली में '21 गन सेल्यूट कॉन्कोर्स डी'एलिगेंस' के 11वें संस्करण में शामिल हुए।

एफबीआई के नए निदेशक काश पटेल गुजरात के आणंद जिले से रखते हैं ताल्लुक

अहमदाबाद/भाषा

अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के प्रमुख नियुक्त किये गए भारतीय-अमेरिकी काश पटेल गुजरात के आणंद जिले के भद्रन गांव से ताल्लुक रखते हैं, जहां से उनका परिवार सात-आठ दशक पहले युगांडा चला गया था। यह जानकारी उनके समुदाय के सदस्यों ने शुक्रवार को दी।

न्यूयॉर्क में जन्में पटेल (44) पाटीदार समुदाय से हैं। वह अमेरिका की प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसी का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बन गए हैं।

पाटीदार समुदाय के नेताओं ने कहा कि पटेल के सभी करीबी परिजन विदेश में बसे हुए हैं। अफ्रीका जाने के बाद उन्होंने भद्रन में अपने पैतृक मकान बेच दिए।

आणंद स्थित समुदाय का संगठन छ गाम पाटीदार मंडल अपने सदस्यों की वंशावली रखता है। संगठन के सचिव और भाजपा की आणंद जिला इकाई के अध्यक्ष राजेश पटेल ने कहा, ''वंशावली में काश पटेल के पिता प्रमोद पटेल और उनके भाइयों और दादा के नाम भी हैं।''

राजेश पटेल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हालांकि काश पटेल का नाम वंशावली में जोड़ा जाना अभी बाकी है, लेकिन उनके परिवार की 18 पीढ़ियों का रिकॉर्ड इसमें है और इसे उनके कार्यालय में उनके समुदाय के सभी सदस्यों के साथ संग्रहीत किया गया है। उन्होंने बताया, ''हमारे रिकॉर्ड के अनुसार, परिवार भद्रन गांव के मोती खड़की इलाके में रहता था और वे लगभग 70 से 80 साल पहले युगांडा चले गए थे।''

राजेश पटेल ने बताया, ''परिवार ने अपना पैतृक मकान और जमीन बेच दी है और उसके सभी रिश्तेदार विदेशों में, खासकर अमेरिका में बस गए हैं। जब काश के परिवार का कोई सदस्य भारत आएगा तो हम वंशावली में उसका नाम सहित अगली पीढ़ी के नाम दर्ज करने की अनुमति मांगेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम काश पटेल से नहीं मिले हैं क्योंकि परिवार ने हाल के वर्षों में आणंद का दौरा नहीं किया है। लेकिन हमारे समुदाय के कई लोग उन्हें जानते हैं।''

राजेश पटेल ने कहा कि जहां तक उन्हें पता है, 1970 में अफ्रीकी देश से निष्कासन के बाद परिवार कुछ समय के लिए भारत लौटा था। उन्होंने कहा, ''युगांडा से निष्कासित किए गए ये भारतीय कुछ समय के लिए भारत आए थे, क्योंकि उन्होंने ब्रिटेन, अमेरिका या कनाडा में शरण के लिए आवेदन किया था। काश पटेल का परिवार भी कुछ समय के लिए यहां आया था और फिर उनके आवेदन स्वीकार होने के बाद वे कनाडा चले गए।''

राजेश पटेल ने बताया कि कनाडा से वे अमेरिका चले गए, जहां 1980 में काश पटेल का जन्म हुआ। युगांडा में प्रवास करने वाले भारतीयों को तानाशाह ईदी अमीन ने अफ्रीकी देश से निकाल दिया था।

स्नान

असम के मुख्यमंत्री शुक्रवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला के दौरान गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी संगम पर परिवार के साथ पवित्र स्नान करते हुए।

अधिकतर लोग अपने स्वास्थ्य के बारे में 'जनरेटिव एआई' से पूछ रहे सवाल, जोखिम भरा हो सकता है गलत जवाब

सिडनी/दक्षिण भारत । ज़्यादातर लोग अपने रोज़मर्रा और पेशेवर जीवन में मदद के लिए 'जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की ओर रुख कर रहे हैं। चैटजीपीटी सबसे मशहूर और व्यापक रूप से उपलब्ध जनरेटिव एआई टूल में से एक है। यह किसी भी सवाल का मुफ़्त में सटीक और विश्वसनीय जवाब देता है।

लोगों के लिए जनरेटिव एआई टूल की मदद से स्वास्थ्य के बारे में जानने की बहुत संभावना है। लेकिन उत्तर हमेशा सही नहीं होते। स्वास्थ्य सलाह के लिए सिर्फ चैटजीपीटी पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है और अनावश्यक चिंता का कारण बन सकता है।

जनरेटिव एआई अब भी अपेक्षाकृत एक नई प्रौद्योगिकी है, और लगातार बदल रही है। हमारा नया अध्ययन इस बारे में पहला ऑस्ट्रेलियाई डेटा प्रदान करता है कि स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाब देने के लिए कौन चैटजीपीटी का उपयोग कर रहा है, और किस उद्देश्य से।

परिणाम लोगों को यह बताने में मदद कर सकते हैं कि वे अपने स्वास्थ्य के लिए इस नई प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे करें, और इसे सुरक्षित रूप से उपयोग करने के लिए आवश्यक नए कौशल – दूसरे शब्दों में, ''एआई स्वास्थ्य साक्षरता'' का निर्माण करें।

स्वास्थ्य के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कौन करता है? वे क्या पूछते हैं?

जून 2024 में हमने 2,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों का राष्ट्रीय प्रतिनिधि नमूना लेते हुए पूछा कि क्या उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों के उत्तर देने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग किया है।

साल 2024 की पहली छमाही में दस में से एक (9.9 प्रतिशत) ने चैटजीपीटी से स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न पूछा था।

हर गीत को इस तरह लेता हूं जैसे सफर शुरू कर रहा हूं: गीतकार कामिल

नई दिल्ली/भाषा

चंडीगढ़ में एक ठंडी, धुंधली शाम थी, तभी पत्रकार और आज के जानेमाने गीतकार इरशाद कामिल को आभास हुआ कि कोई उनसे कह रहा है तुम्हें मुंबई जाना है। उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर वैसा ही किया।

दो दशक से भी ज्यादा समय बाद, कामिल आज हिंदी फिल्म जगत के सबसे मशहूर गीतकारों में से एक हैं, जिन्होंने तुमसे ही (जब वी मेट), जो भी (रॉकस्टार), विदा करो (अमर सिंह चमकीला) और कई अन्य गीत लिखे हैं।

उन्हें वह पल याद है जब उनकी जिंदगी ने एक नया मोड़ लिया था। उनके मुताबिक उस समय वह सड़क पर थे।

कामिल ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, मैंने एक दिन ठंडी धुंध भरी सर्दी की शाम को उस दिन की अपनी आखिरी स्टोरी दी। और जब मैं अपनी बाइक पर निकला, तो अचानक सड़क के किनारे रुक गया और सोचा, 'क्या मैं वाकई पत्रकार बनना चाहता हूं?' मेरे अंदर से आवाज आई, 'नहीं, तुम कुछ और करना चाहते हो। तुम मुंबई जाना चाहते हो।' जब अंतरात्मा ने फैसला कर लिया तो मैंने अपनी नौकरी छोड़ दी और मुंबई आ गया।'' बीस साल और कई फिल्मों में काम करने के बाद, कामिल ने कहा कि वह हर काम को ऐसे लेते हैं जैसे वह अपनी यात्रा शुरू कर रहे हों और इसलिए उनके गीतों में अक्सर हिंदुस्तानी शब्द 'सफ़र' आता है।

उनके सबसे हालिया गाने 'स्काईफोर्स' फिल्म से 'तू है तो मैं हूं' और 'छावा' से 'जाने तू' और 'आया रे तूफान' इस समय शीर्ष पर हैं।गीतकार-लेखक ने कहा, ''कलाकार कभी नहीं सोचते कि उन्होंने इसे हासिल कर लिया है। वे कभी भी यह नहीं बता पाएंगे क्योंकि उन्हें एक ही कक्षा में बार बार बैठना है, परीक्षा देनी है और उसमें बार-बार उत्कृष्टता हासिल करनी है। आप गीत लिखते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे दर्शकों को पसंद आएं और जब वे ऐसा करते हैं, तो आप और भी बेहतर करने के बारे में सोचते हैं। इसलिए आप वही काम करते रहते हैं।''

पंजाब के मालेरकोटला में जन्मे कामिल ने कहा कि उन्हें हमेशा से पता था कि उन्हें शब्दों के साथ कुछ करना है। यही बात उन्हें चंडीगढ़ में पत्रकारिता की ओर ले गई। उन्होंने पत्रकारिता में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में हिंदी साहित्य में पीएचडी।

गानों की लंबी सूची के अलावा, उन्होंने कुछ पटकथाएं भी लिखी हैं, जिनमें 'मैं तेरी परछाईं हूं' और 'संजीवनी' धारावाहिक हैं।

रणदीप हुड्डा ने फिल्म 'जाट' के लिए डबिंग शुरू की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो रणदीप हुड्डा ने अपनी आने वाली हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म 'जाट' के लिए डबिंग शुरू कर दी है। गोपीचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट प्रतिष्ठित मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री निर्मित है। फिल्म जाट में सनी देओल,रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा की अहम भूमिका है।फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन दृश्यों को प्रसिद्ध अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने कोरियोग्राफ किया है। थमन एस की संगीत प्रतिभा के साथ साउंडट्रैक की रचना और फोटोग्राफी के निर्देशक के रूप में ऋषि पंजाबी हैं। संपादन नवीन नूली जबकि अविनाश कोल्ला प्रोडक्शन डिजाइन कर रहे हैं। फिल्म जाट के लिये रणदीप हुड्डा ने डबिंग शुरू कर दी है। फिल्म जाट 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज़ होगी।

उम्मीद नहीं थी 'जपनाम' इतना मशहूर हो जाएगा : चंदन रॉय सान्याल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता चंदन रॉय सान्याल का कहना है कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि वेबसीरीज आश्रम में उनका किरदार जपनाम इतना महसूस हो जायेगा। चंदन रॉय सान्याल को वेब सीरीज़ 'आश्रम' में निभाए गए 'भोपा स्वामी' के किरदार के लिए 'जपनाम' भी कहा जाता है. इस किरदार के लिए उन्हें काफ़ी सराहना मिली है। बहुप्रतीक्षित 'आश्रम सीजन 3 पार्ट 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है,

जिसमें बाबा निराला और उनके रहस्यमय मास्टरमाइंड भोपा स्वामी की भयावह दुनिया को वापस लाया गया है। चंदन रॉय सान्याल द्वारा निभाए गए भोपा स्वामी की सोची-समझी निर्दयता और अटूट निष्ठा ने एक बार फिर दर्शकों को आकर्षित किया है, जिससे वह सीरीज के सबसे चर्चित किरदारों में से एक बन गए हैं। चंदन रॉय सान्याल ने कहा, अपने किरदार के नाम से जाना जाना हर अभिनेता का सपना होता है। इससे बड़ा कोई इनाम नहीं है। मैं आभारी महसूस करता हूं।मैंने हाल ही में कुंभ का दौरा किया था और वहां भी लोग मुझे भोपा स्वामी कह रहे थे और 'जपनाम' कहकर मेरा अभिवादन कर रहे थे। इस किरदार ने जो प्रभाव डाला है, उसे देखना अभिभूत करने वाला है।

'मेरे हसबैंड की बीवी' सिनेमाघरों में आ चुकी है, लोगों को पसंद आ रहा है ये लव सर्कल

मुंबई/एजेन्सी

मुदस्सर अज़ीज़ की ताज़ा कॉमेडी फ़िल्म मेरे हसबैंड की बीवी सिनेमाघरों में रिलीज़ हो गई है। आज रिलीज होने के बाद से ही दर्शकों और आलोचकों की ओर से सकारात्मक समीक्षाएं और प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। चूंकि फिल्म में हंसी के क्षण, अच्छा हास्य, प्रेम प्रसंग, पारिवारिक ड्रामा और एक ताजा कथावस्तु है, इसलिए सिनेप्रेमी ताजा विषय-वस्तु और लगातार हंसी के क्षणों के लिए सिनेमाघरों की ओर दौड़ रहे हैं। अर्जुन कपूर, रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर अपनी संक्रामक ऊर्जा और जीवंत आभा के साथ दर्शकों को हंसी के दंगल पर ले जाते हैं। उनकी ऑन-स्क्रीन अराजकता उनकी बोली से और अधिक बढ़ जाती है, जो उत्तरी दर्शकों के साथ मेल खाती है। पात्रों के बीच संवाद ऐसे भावों और बोलचाल की भाषा से भरे हैं जो उत्तरी क्षेत्र के लोगों के साथ रोजमर्रा की बातचीत को प्रतिबिम्बित करते हैं, जिससे यह कच्चा और प्रामाणिक लगता है। पारिवारिक गतिशीलता से लेकर रिश्तों तक, कॉमिक टाइमिंग और प्रासंगिकता ऐसे पहलू हैं जिनसे उत्तर भारतीय आसानी से जुड़ सकते हैं। फिल्म का यह दृष्टिकोण एक ऐसा मनोरंजक वातावरण निर्मित करता है, जहां दर्शक साझा वास्तविकताओं के बीच आनंदपूर्वक समय बिता सकते हैं। इस बीच, मेरे हसबैंड की बीवी को लोगों की तीखी प्रतिक्रिया मिली है। इसकी शक्तिशाली अग्रिम बुकिंग ने फिल्म के विकास को गति प्रदान की है, तथा इसके भविष्य के प्रदर्शन के लिए आधार तैयार किया है। मेरे हसबैंड की बीवी में अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिका में हैं, जबकि शक्ति कपूर, डिनो मोरिया, हर्ष गुजराल और आदित्य सील प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वाशु भगनानी और पूजा फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत तथा वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख द्वारा निर्मित इस फिल्म का आनंद अब बड़े पर्दे पर लिया जा सकता है।

फिल्म 'किंगडम' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की बहुप्रतीक्षित फ़िल्म किंगडम का टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीज़र में विजय देवरकोंडा का इंटेंस लुक नजर आ रहा है।गौतम तिन्ननुरी के निर्देशित किंगडम में विजय देवरकोंडा अहम भूमिका निभा रहे हैं।

टीज़र में विजय का शानदार और जबरदस्त अवतार देखने को मिल रहा है। फिल्म किंगडम का म्यूज़िक अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज़ किया है, जबकि इसके दमदार विजुअल्स गिरीश गंगाधरन ने कैप्चर किए हैं। इस फिल्म का निर्माण सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून4 सिनेमा ने श्रीकरा स्टूडियोज के सहयोग से किया है। इसका निर्माण साई सौजन्या और वामसी कृष्णा ने किया है। यह फिल्म आगामी 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी फिल्म 'इमरजेंसी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' 17 मार्च से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। ज़ी स्टूडियोज़ और मणिकर्णिका फ़िल्म्स निर्मित, फिल्म 'इमरजेंसी' की कहानी वर्ष 1975 पर आधारित है, जब भारत में इमरजेंसी लागू हुई थी। इस फिल्म में कंगना रनौत, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में हैं। फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को रिलीज हुयी थी। अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है।

कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट का ऐलान किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, 'इमरजेंसी 17 मार्च से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। फिल्म 'इमरजेंसी' में कंगना रनौत के अलावा अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन,श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कंगना ने इमरजेंसी में अभिनय करने के साथ ही फिल्म का निर्माण और निर्देशन भी किया है।

इमरजेंसी में अनुपम खेर जयप्रकाश नारायण,श्रेयस तलपड़े अटल बिहारी वाजपेयी, मिलिंद सोमन फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ,महिमा चौधरी पुपुल जयकर ,विशाक नायर संजय गांधी,और दिवंगत सतीश कौशिक जगजीवन राम के किरदार में हैं।

मध्यप्रदेश में 'छावा' करमुक्त

जबलपुर/एजेन्सी

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने राज्य में 'छावा' फिल्म को करमुक्त किए जाने की घोषणा की है। डॉ यादव ने कल देर शाम यहां राज्य तीरंदाजी खेल अकादमी के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान प्रदेश में शिवाजी की जयंती की सभी को शुभकामनाएं देते हुये कहा कि उनके पुत्र संभाजी महाराज के जीवन से प्रेरित फ़िल्म छावा को प्रदेश में टैक्स फ्री किया जाएगा। उन्होंने शिवाजी की वीरता को याद करते हुये कहा कि शिवाजी के वीर पुत्र संभाजी के जीवन परिचय और उनके अदम्य साहस व न्यायप्रियता को दर्शाने वाले जीवन व उनके पुत्र की वीरगाथा दर्शाने वाली फिल्म पर कोई टैक्स नहीं होगा। प्रदेश की जनता को संभाजी के अदम्य साहस और वीरता को जानना चाहिए, इसलिए प्रदेश की जनता से इस फिल्म को देखने पर कोई कर नहीं लिया जायेगा।

श्रेया घोषाल ने कहा, 'नमो शंकरा महज गीत नहीं, यह एक यात्रा'

मुंबई/एजेन्सी

प्रसिद्ध गायिका श्रेया घोषाल का नया ट्रैक 'नमो शंकरा' रिलीज हो गया है। उन्होंने कहा कि यह महज एक गीत नहीं है, बल्कि एक यात्रा है, जो शंभो शिव की ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़ती है। महाशिवरात्रि से पहले घोषाल ने भक्ति भाव से जुड़ा नमो शंकरा गीत प्रस्तुत किया है। किंजल चटर्जी और श्रेया घोषाल के संगीत से सजा तथा श्रद्धा पंडित के लिखे गीत में भगवान शिव का आह्वान किया गया है। श्रेया ने कहा, इंतजार खत्म हुआ। नमो शंकरा अब रिलीज हो गया है। भगवान शिव को समर्पित इस आत्मा को झकझोर देने वाले गीत की गूंज आपके भीतर के महादेव को जगाएगी।

उन्होंने कहा, यह महज एक गीत नहीं है, यह एक हृदयस्पर्शी यात्रा है, जो आपको शम्भो शिव की ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जोड़ती है। डमरू की थाप, संस्कृत मंत्रों और श्रेया के स्वरों से, इस ट्रैक में वह शक्ति है, जो भक्ति को जागृत करती है और श्रोताओं का महादेव की ब्रह्मांडीय ऊर्जा से साक्षात्कार कराती है।

उन्होंने पहले भी अपने इंस्टाग्राम पर नमो शंकरा की घोषणा की थी। हर हर महादेव!

इस महाशिवरात्रि पर भक्ति को अपने ऊपर हावी होने दें क्योंकि हम नमो शंकरा प्रस्तुत कर रहे हैं, जो ईश्वर को समर्पित आत्मा को झकझोर देने वाला एक गीत है। गीत महादेव की सर्वोच्च ऊर्जा को समर्पित है। शक्ति को महसूस करें और शिव के मंत्रों में खो जाएं। इस बीच, श्रेया घोषाल चेन्नई और अन्य शहरों में लाइव म्यूजिक प्रोग्राम की तैयारी कर रही हैं। उम्मीद है कि ऑल हार्ट्स टूर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने में कामयाब होगा। ऑल हार्ट्स टूर के बारे में घोषाल की टीम ने कहा, श्रेया घोषाल के ऑल हार्ट्स टूर को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है और उत्साह बढ़ता ही जा रहा है। चेन्नई के बाद मुंबई और अहमदाबाद में वह प्रस्तुति देंगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

एसआरएन आदर्श पीयू कॉलेज के द्वितीय पीयूसी छात्रों के लिए समापन समारोह 20 फरवरी को बड़े उत्साह साथ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने छात्रों की पूर्व-विश्वविद्यालय यात्रा की परिणति को चिह्नित किया और इसमें छात्रों, संकाय सदस्यों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

आमंत्रण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में श्री माधव सेवा संघ एवं अन्य गौसेवकों द्वारा आगामी 27 फरवरी को अत्तिबेले रोड स्थित नंदानंदी गौशाला नेरलूर में 'एक शाम गौ माता के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में राजस्थान के ओम मुंडेल एवं अनीता जांगिड़ आदि भजनों की प्रस्तुति देंगे। समारोह में अतिथि के रूप में मारुति मेडिकल के प्रमुख एवं गौसेवक महेन्द्र मुणोत को संघ के सदस्यों ने आमंत्रित किया। गौसेवा में महेन्द्र मुणोत हमेशा अग्रणी रहते हैं साथ ही गौ एवं गौ पदार्थों के बारे में उन्हें अच्छी जानकारी है।

दृढ़ संकल्प, आत्म-अनुशासन और सकारात्मक मानसिकता सफलता की कुंजी : आयुक्त दयानंद

सेकेन्ड पीयूसी छात्रों का हुआ भावपूर्ण विदाई समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एसआरएन आदर्श पीयू कॉलेज के द्वितीय पीयूसी छात्रों के लिए समापन समारोह 20 फरवरी को बड़े उत्साह साथ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने छात्रों की पूर्व-विश्वविद्यालय यात्रा की परिणति को चिह्नित किया और इसमें छात्रों, संकाय सदस्यों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इस समारोह की अध्यक्षता मुख्य अतिथि स्टाम्प आयुक्त के ए दयानंद, आईएएस थे। कार्यक्रम की मेजबानी कन्नड़ प्रोफेसर डॉ मल्लिकार्जुन ने की। संघ के अध्यक्ष पदम राज मेहता, सचिव जितेंद्र मरडिया और कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस प्रशांत उपस्थित थे।

प्राचार्य डॉ. प्रशांत ने सभी का स्वागत करते हुए छात्रों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उनके सुनहरे भविष्य की शुभकामना देते हुए सभी को संबोधित किया। मुख्यअतिथि आयुक्त केए दयानंद ने प्रेरक भाषण से छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने सफलता प्राप्त करने में दृढ़ता, कड़ी मेहनत, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने सामने आई कठिनाइयों, कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा प्राप्त करने की चुनौतियों और सफलता की ओर ले जाने वाली दृढ़ता के बारे में बात की। उनकी कहानी छात्रों के लिए एक प्रेरणादायी रही जिससे उन्हें बाधाओं को दूर करने और अपने सपने के लिए कड़ी मेहनत करने में सफलता मिलेगी। उन्होंने अपने बचपन के अनुभव भी साझा किए और छात्रों से बड़े सपने देखने और समाज में सकारात्मक योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दृढ़ संकल्प, आत्म-अनुशासन और सकारात्मक मानसिकता सफलता की कुंजी हैं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह रहा। जहाँ उत्कृष्ट छात्रों को उनकी शैक्षणिक और पाठ्येतर उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षकों और कर्मचारियों को भी उनके समर्पण और मार्गदर्शन के लिए सराहा गया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती निर्मला के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसके बाद लाइव संगीत प्रदर्शन हुआ। समारोह एक भावनात्मक नोट पर समाप्त हुआ क्योंकि छात्रों ने संस्थान में अपने समय के दौरान बनाई गई यादों और दोस्ती को संजोते हुए अपने अल्मा मेटर को विदाई दी।

'डाली कम्स टू इंडिया' : अतियथार्थवादी और सपनों की दुनिया से साक्षात्कार

नई दिल्ली/भाषा

तस्वीर के जरिए कहानी कहने की अपनी विशिष्ट शैली के लिए मशहूर स्पेन के महान चित्रकार सल्वाडोर डाली कला के क्षेत्र में अनूठे प्रयोगों के लिए जाने जाते हैं।

कहते हैं कि यूनान के एक पौराणिक चरित्र 'मेडुसा' के भयानक सर्पीले घुंघराले बालों को वास्तविकता का रंग देने के लिए उन्होंने एक मृत ऑक्टोपस को तेजाब में डुबोने के बाद एक तांबे की प्लेट पर रख दिया था।

इस चित्रकार की यही खासियत उन्हें सबसे अलग करती थी, जहां वह वास्तविकता और विचित्रता के मेल से एक अभिनव प्रयोग वाली कृति का निर्माण करते थे।

'ब्रूनो आर्ट ग्रुप' की भारत में उनके पहले कार्यक्रम की 'क्यूरेटर' क्रिस्टीन आर्गिलेट कहती हैं कि चित्रकार को अतियथार्थवादी कला की 'पैरानॉयड क्रिटिकल' (विशेष मनोवैज्ञानिक) पद्धति विकसित करने का श्रेय दिया जाता है। यह पद्धति जितनी आकर्षक थी, उतनी ही अप्रत्याशित भी थी।

''डाली कम्स टू इंडिया'' प्रदर्शनी सबसे पहले 'इंडिया हैबिटेट सेंटर' में 'विजुअल आर्ट गैलरी' में 7-13 फरवरी को आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी में डाली की लगभग 200 कृतियां शामिल थीं, जिसमें भारत की तस्वीरों से प्रेरित उनकी ''हिप्पीज'' शृंखला भी शामिल थी।

''हिप्पीज'' डाली की ऐसी शृंखला है जो सीधी, आड़ी तिरछी रेखाओं, धूसर रंगों और सपनीली दुनिया जैसी आकृतियों में मानो जान फूंक देती है और सोचने पर मजबूर करती है कि यह निश्चित ही किसी प्रतिभाशाली दिमाग का काम है।

'ब्रूनो आर्ट ग्रुप' द्वारा 'मसर्रत' में वर्तमान में प्रदर्शित संग्रह में 1960 के दशक के मध्य से लेकर 1970 के दशक की शुरुआत तक की उनकी कृतियां शामिल हैं। यह एक ऐसा दौर था जब डाली ने एचिंग पर बड़े पैमाने पर काम किया, और पौराणिक आकृतियों एवं ईसाइयत की गहरी कंदराओं में विचरते हुए उनके अनोखे अर्थों के साथ विचित्र शैली में उन्हें अभिव्यक्त किया।

एचिंग, धातु में बनी आकृति में एक डिजाइन तैयार करने के लिए किसी धातु की सतह के चुनिंदा हिस्सों की कटाई के लिए तीव्र एसिड या मॉरडेंट का इस्तेमाल करने की प्रक्रिया को कहते हैं।

आर्गिलेट ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''डाली शुरू में एक ऐसे व्यक्ति थे जो काम के प्रति बहुत समर्पित थे। वह बहुत अनुशासित तरीके से काम करते थे। सुबह छह बजे से शाम पांच-छह बजे तक और फिर वह लोगों से मिलते थे। 1965 तक, उन्होंने बहुत ही सधे तरीके से काम किया, बहुत अच्छी तरह से सोचा, प्रतिबिंबित किया।''

आर्गिलेट अक्सर अपने प्रचारक पिता के साथ स्पेन में डाली के घर जाती थीं। आर्गिलेट 60 के दशक के अंत में अपनी किशोरावस्था में थीं, उस वक्त वह अपनी गर्मियों की छुट्टियां चित्रकार के घर पर ही बिताती थीं।

डाली और पियरे आर्गिलेट ने मिलकर लगभग 200 चित्रों का निर्माण किया, जिनमें से कुछ को वर्तमान कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया है। इनमें ''ला माइथोलॉजी'', ''लेस हिप्पीज'', ''गोएथ्स फॉस्ट'' और ''पोएम्स सीक्रेट्स डी'अपोलिनेयर'' की कृतियां शामिल हैं।

केंद्रीय हिंदी संस्थान मैसूरु में मातृ भाषा दिवस समारोह का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मैसूरु के केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता एवं संयोजन संस्थान के क्षेत्रीय डॉ. रणजीत भारती ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने मातृ भाषा क्यों मनाए जाने के इतिहास एवं उसकी महत्ता के बारे में बताया।

उन्होंने कहा की मातृ भाषा का संबंध हमारी आत्मा से होता है अतः हमें अपनी आत्मा की रक्षा के लिए अपनी-अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए। केंद्र के शैक्षिक सदस्य डॉ. योगेंद्र मिश्र ने अपनी मातृभाषा ब्रज में कुछ रचनाएं सुनाकर मातृभाषा के महत्व को उजागर किया। समारोह का संचालन अतिथि वक्ता के तौर पर आमंत्रित, सेंट फिलोमिन कॉलेज की हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. पूर्णिमा ने किया।

इस समारोह के अंतर्गत भाषण, पेंटिंग, निबंध आदि प्रतियोगिताओं में कुल 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा संचेतना शिविर के समापन के दिन की जाएगी। समारोह में केंद्र पर टेरेसियन कॉलेज, मैसूर के लिए आयोजित हिंदी भाषा संचेतना के कुल 79 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. योगेंद्र मिश्र, डॉ. ज्योत्सना, लक्ष्मीनारायण, राघवेंद्र, पदमा, चेन्ने गौड़ा, रमेश, कैलाश आदि उपस्थित थे।

सिंधी पंचायत धर्मशाला में शिवपुराण कथा आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के व्यस्ततम क्षेत्र मैजिस्टक में केजी रोड क्रॉस में स्थित सिंधी पंचायत धर्मशाला में आगामी 22 से 27 फरवरी तक शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। शिवरात्रि महोत्सव पर्व के पावन मौके पर वृंदावन श्रीधाम से बालशुक श्री पुण्डरीक कृष्णजी महाराज संगीतमय शिवपुराण कथा का श्रवण कराएंगे। महाराजा काम्पलेक्स के पास स्थित

सिंधी पंचायत धर्मशाला में प्रतिदिन दोपहर 3 से 6 बजे तक कथा का आयोजन होंगे। संचालन व्यवस्थापक डॉ. रमाकांत त्रिपाठी ने सभी कथा प्रेमियों ने कथा श्रवण का लाभ लेने का अनुरोध किया है।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में साहित्य अकादमी के कार्यालय में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शन

इंफाल में शुक्रवार को मीरा पैबिस और युवाओं द्वारा काकचिंग जिले में असम राइफल्स द्वारा गिरफ्तार किए गए 24 अरमबाई टेंगोल सदस्यों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया।

ट्रंप के रुख के बाद जेलेंस्की के समर्थन में आए यूक्रेनवासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव। यूक्रेन पर रूस के हमले की तीसरी वर्षगांठ से कुछ दिन पहले यूक्रेनवासी उतने ही उदास और तनावग्रस्त हैं, जितने मॉस्को द्वारा युद्ध शुरू करने से ठीक पहले थे। अब, वे केवल अपने पुराने दुश्मन के बारे में चिंतित नहीं हैं।

यूक्रेन के लिए चौंकाने वाला नया खतरा उसके एक समय के सबसे अच्छे सहयोगी, अमेरिका से है, जिसका समर्थन कमजोर पड़ता दिख रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच लड़ाई को रोकने का संकल्प जताते हुए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के स्वर में स्वर मिलाते दिख रहे हैं।

ट्रंप ने दावा किया था कि यूक्रेन का नेतृत्व एक 'तानाशाह' कर रहा है जिसने रूस के साथ युद्ध शुरू किया। इसके बाद यूक्रेनी लोग जेलेंस्की के प्रति समर्थन जता रहे हैं, जिन्होंने रूस की 'गलत सूचनाओं' को बढ़ावा देने के लिए ट्रंप की सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी।

कीव की 25 वर्षीय तकनीकी कर्मचारी कैटरीना करौश ने कहा, ''हां, वह एक आदर्श राष्ट्रपति नहीं हैं, लेकिन वह तानाशाह भी नहीं हैं।''

लंबे समय से चली आ रहीं चुनौतियों के बावजूद, यूक्रेन के लोगों ने अमेरिका से भारी सैन्य समर्थन के साथ रूस को अपने देश पर कब्जा करने से रोका हुआ है, भले ही इसका लगभग पांचवां हिस्सा अब रूस के नियंत्रण में है।

लेकिन तीन साल के युद्ध के बाद, नागरिक और सैनिक दोनों ही थक चुके हैं। हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं, हजारों लापता हैं और लाखों लोग देश छोड़कर चले गए हैं।

अंजनश्लाका प्रतिष्ठा निमित्त श्रीसंघ को भावभरा आमंत्रण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शंकरपुरम के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट के तत्वावधान में आचार्य श्री रत्नाकर सूरीश्वरजी म.सा. एवं आचार्य श्री रत्नसंचय सूरीश्वर जी म.सा. के पावन निश्रा में श्री केसरिया आदिनाथ जिनालय कि अंजनशलाका प्रतिष्ठा निमित भव्य नव्हाणिका सह पंचकल्याणक महामहोत्सव 9 से 17 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाएगा।

प्रतिष्ठा आमन्त्रण पत्रिका, बैनर, तोरण, अष्ट प्रकार सामग्री आमन्त्रण पत्र श्री सीमंधर शान्तिसूरी जैन संघ वी.वी. पुरम में सकल श्री संघ को भावभरा आमंत्रित करते हुए श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट शंकरपुरम का ट्रस्ट मंडल के शांतिलाल श्रीश्रीमाल, मुकेश पुनमिया, अनुप श्रीश्रीमाल, संदीप खांटेड एवं श्री अखिल भारतीय मूर्तिपूजक युवक महा संघ बेंगलूरु शाखा के सदस्य गण। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने देते हुए बताया श्री सीमंधर- शांतिसूरि जैन संघ के मीठालाल पावेचा के सभी का स्वागत करते हुए कहा हमारा संघ इस प्रतिष्ठा महोत्सव में हर कार्य मे सहयोग व सेवाएं देने के लिये तैयार हैं।

शी ने चीन की सेना को विश्व स्तरीय सशस्त्र बल में बदलने के लिए नए आदेश पारित किए

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को देश की सेना को विश्व स्तरीय सशस्त्र बल में बदलने के लिए नियमों में संशोधन करते हुए नए आदेश जारी किए, जिसमें अमेरिका के साथ बढ़ती प्रतिद्वंद्विता और ताइवान एवं अन्य पड़ोसियों के साथ तनाव के बीच युद्ध की तैयारी पर ध्यान केंद्रित किया गया है। शी (71) सत्तारूढ़ शक्तिशाली चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के प्रमुख और राष्ट्रपति होने के अलावा सेना का भी नेतृत्व करते हैं।सरकारी समाचार एजेंसी ने कहा कि उन्होंने सेना के आंतरिक आदेश, आचार संहिता और सैन्य संरचना पर तीन नियमों को प्रकाशित करने के आदेशों पर हस्ताक्षर किए।नियमों में संशोधन युद्ध की तैयारी को सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य के रूप में प्राथमिकता देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सशस्त्र बलों को कानून द्वारा चलाने की रणनीति को पूरी तरह से लागू करते हुए, संशोधित नियमों का उद्देश्य युद्ध की तैयारी, प्रशिक्षण, संचालन और दैनिक जीवन में अधिक मानकीकृत व्यवस्था को बढ़ावा देना है। सैन्य आचार संहिता में संशोधन नियमों को उत्कृष्ट बनाने, उल्लंघन करने वालों को दंडित करने और प्रासंगिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए नियमों को परिष्कृत करता है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com